www.cgfrontline.com

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

■ वर्ष: 01 ■ अंक: 56 ■ जशपुर, 11 अक्टूबर 2026 (रविवार) ■ पृष्ठ: 08 ■ मूल्य: 01 रूपये

सीजेपी प्रोटेस्ट पर सीएम सख्त, बोले असामाजिक तत्वों को नहीं घुसने देंगे, नहीं बिगड़ने देंगे पिछली बार की तरह माहौल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के दिल्ली में प्रदर्शन को लेकर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि पिछले आंदोलन में हजारों की संख्या में असामाजिक तत्व घुस गए थे। सरकार नहीं चाहेगी कि दोबारा ऐसी स्थिति बने और वातावरण अशांत हो, इसी को ध्यान में रखते हुए विशेष कदम उठाए गए हैं।

गन किसानों की मांग पूरी, हड़ताल खत्म

मुख्यमंत्री ने गन्ने की कीमत बढ़ाने पर कहा कि कवर्धा में किसान आंदोलित थे। कवर्धा गन्ना उत्पादक क्षेत्र है। किसान नेताओं से मुलाकात में कीमत को लेकर चर्चा हुई। पहले गन्ने की कीमत 355 रुपये प्रति क्विंटल थी, जिसे बढ़ाकर 425 रुपये प्रति क्विंटल किया गया है, इसके बाद किसानों ने हड़ताल समाप्त कर दी है।

कांग्रेस पर पलटवार

वहीं चरणदास महंत के बयान "एक नहीं थे, बंटे थे इसलिए हारे, अब एक हैं, 2028 में जीतेंगे" पर सीएम साय ने कहा कि यह ख्याली पुलाव है, वे सपना देखते रहें। एक समय था जब कांग्रेस पूरे देश में एकछत्र राज करती थी, लेकिन कथनी और करनी में अंतर, झूठ और फरेब की वजह से कांग्रेस सिमटती जा रही है। आने वाले समय में कांग्रेस ढूंढने से भी नहीं मिलेगी।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने भी साधा निशाना

सीजेपी प्रोटेस्ट को लेकर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि असामाजिक तत्वों ने विदेशी ताकतों के साथ मिलकर भारत को कमजोर करने की साजिश की है। इसी आशंका को ध्यान में रखते हुए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। कांग्रेस को इस मामले में जवाब देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सोनिया गांधी भारत की नागरिक बनने से पहले वोटर बन गई थीं, इस तरह घुसपैठियों का प्रवेश नहीं होना चाहिए।

नक्सल खात्मे के बाद पहली बार बस्तर आयेंगे राहुल गांधी

बोधघाट परियोजना पर सरकार को घेरने की तैयारी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जल्द ही छत्तीसगढ़ दौरे पर आएंगे। इस दौरान वे बस्तर संभाग में बोधघाट बहुउद्देशीय परियोजना से प्रभावित होने वाले ग्रामीणों और किसानों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने रायपुर में पत्रकार वार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राहुल गांधी के दौरे की तारीख और विस्तृत कार्यक्रम जल्द तय किया जाएगा। नक्सलियों के खात्मे के बाद इसे राहुल गांधी का पहला बस्तर दौरा बताया जा रहा है।

जल, जंगल, जमीन का मुद्दा उठाएगी कांग्रेस

बैज ने कहा कि कांग्रेस बस्तर के जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए ग्रामीणों के साथ खड़ी है। आदिवासियों के अधिकारों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। बोधघाट परियोजना से स्थानीय जनजातीय समुदाय की आजीविका और सांस्कृतिक पहचान प्रभावित हो सकती है। कांग्रेस इस प्रवास के जरिए बोधघाट परियोजना से जुड़े विस्थापन और आदिवासियों के अधिकारों के मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने की तैयारी में है।

इससे पहले प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखदेव भगत बस्तर का दौरा कर ग्रामीणों की चिंताओं को जान चुके हैं। चार महीने पहले राहुल गांधी जिलाध्यक्षों की ट्रेनिंग के लिए रायपुर आए थे, जहां उन्होंने टपरी पर कांग्रेस नेताओं के साथ चाय पी थी।

बिजली और स्मार्ट मीटर पर सरकार को घेरा

पत्रकार वार्ता में बैज ने बिजली कटौती और स्मार्ट मीटर योजना को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरप्लस बिजली उत्पादन के बावजूद छत्तीसगढ़ को बाहर से बिजली खरीदनी पड़ रही है और अघोषित कटौती से लोग परेशान हैं। स्मार्ट मीटर को जनविरोधी बताते हुए उन्होंने कहा कि उपभोक्ता अधिक बिल और तेज रीडिंग की शिकायत कर रहे हैं। कांग्रेस कार्यकर्ता घर-घर जाकर स्मार्ट मीटर हटाने के समर्थन में सहमति पत्र भरवा रहे हैं।

कोल घोटाले में ईओडब्ल्यू का बड़ा खुलासा, राजीव भवन तक पहुंचे 104 करोड़, डायरी में 'सी पार्टी' कोड से होता था हिसाब

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित कोल लेवी घोटाले में बड़ा खुलासा हुआ है। आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा (ईओडब्ल्यू) ने अपनी चार्जशीट में दावा किया है कि अक्टूबर 2020 से जून 2022 के बीच 104 करोड़ 20 लाख रुपये कांग्रेस भवन (राजीव भवन) तक पहुंचाए गए। ईओडब्ल्यू ने विशेष न्यायालय में करीब 9500 पन्नों का छठा पूरक चालान पेश किया है। इसमें जब्त डायरियों और आरोपियों के बयानों का हवाला दिया गया है।

डायरियों में 32 बार 'भवन' और 'सी पार्टी' का जिक्र

चार्जशीट के मुताबिक, जब्त डायरियों में 'भवन', 'भवन' और 'सी पार्टी' के नाम से 32 बार रकम दर्ज मिली। इनका कुल हिसाब 104.20 करोड़ रुपये है। डायरियों में 'सी पार्टी को', 'सी पार्टी भवन में', 'भवन में जमा', 'भवन में दिए' और 'भवन में दिया गया' जैसे शब्द मिले हैं। 27 जनवरी 2022 को एक ही दिन बीएस-09 में 2 करोड़, 6 करोड़ और 2 करोड़ यानी कुल 10 करोड़ का हिसाब, 2 मार्च 2022 को बीएस-41 में 4 करोड़ और 2 करोड़, 30 मार्च को बीएस-01 में 5 करोड़, 6 मई को बीएस-02 में 8 करोड़ और 7 जून 2022 को 8.70 करोड़ का हिसाब मिला है।

> **8-10 काले बैग में आता था कैश, 'देवेंद्र' के पास रखवाते थे**
>
> चार्जशीट में कहा गया है कि कोयला परिवहनकर्ताओं से 25 रुपये प्रति टन की दर से अवैध वसूली होती थी। यह रकम रायपुर लाकर राजीव भवन में जमा कराई जाती थी।गवाह रूपेंद्र यादव और सोहन साहू ने बताया कि उन्होंने कई बार भवन के बाईं ओर शटर के पास गाड़ियों से काले बैग उतरते देखा, जिसे देवेंद्र डडसेना के कमरे में रखा जाता था। रूपेंद्र ने एक बार में 8-10 बैग आने की बात कही। देवेंद्र डडसेना, राम गोपाल अग्रवाल का निजी सहायक था और राजीव भवन में उनके कक्ष के पास बैठता था।बयानों में यह भी आया कि बैग लाने-ले जाने के दौरान कार्यालय के उस हिस्से को बंद कर दिया जाता था और कर्मचारियों को हटाया जाता था।

15 जुलाई के आदेश के बाद शुरू हुआ सिस्टम

ईओडब्ल्यू के मुताबिक, 15 जुलाई 2020 के आदेश के बाद ऑनलाइन ई-परमिट से पहले जिला खनिज अधिकारी की मंजूरी अनिवार्य कर दी गई। इसी व्यवस्था का इस्तेमाल कर वसूली शुरू की गई। आरोपी सूर्यकांत तिवारी और सहयोगी जिलों में जाकर बैठकें करते थे, उनके ठहरने के लिए विश्राम गृहों में 'सीएम हाउस' के नाम से बुकिंग होती थी।

जमीन, फ्लैट, वाशरी में निवेश

ईओडब्ल्यू ने दावा किया है कि वसूली की रकम को जमीन, फ्लैट, वाशरी में निवेश किया गया। जोगेन्दर सिंह से जुड़ी सात फर्मों में करीब 40 करोड़ के लेन-देन का विवरण भी चालान में है। फिलहाल यह सभी आरोप जांच एजेंसी की चार्जशीट में दर्ज दावों और गवाहों के बयानों पर आधारित हैं।

आईआरडीएआई में पांच साल के लिए कार्यकारी निदेशक बने छत्तीसगढ़ कैडर के आईएएस तंबोली अय्याज फकीरभाई

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ कैडर के 2009 बैच के आईएएस अधिकारी तंबोली अय्याज फकीरभाई को बड़ी जिम्मेदारी मिली है। उन्हें भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) में कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया गया है। वित्तीय सेवा विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, उनकी नियुक्ति पदभार ग्रहण करने की तिथि से पांच वर्ष के संयुक्त कार्यकाल या अगले आदेश तक प्रभावी रहेगी।

बारामती के छोटे से गांव से आईआरडीएआई तक का सफर

डॉ. तंबोली अय्याज फकीरभाई का जन्म 23 दिसंबर 1981 को महाराष्ट्र के पुणे जिले की बारामती तहसील के सोमेश्वर नगर में हुआ था। उनका मूल गांव पुणे जिले की शिरूर तहसील में स्थित मुखरी है। उनके पिता पास के जातेगांव में प्राथमिक शिक्षक थे। उन्होंने नौवीं से बारहवीं तक की पढ़ाई शिरूर में पूरी की। गणित और विज्ञान में रुचि रखने वाले तंबोली ने 12वीं के बाद पहले इंजीनियरिंग में प्रवेश लिया, लेकिन तीन महीने बाद ही उन्होंने यह पढ़ाई छोड़कर डॉक्टर बनने का निर्णय लिया। वर्ष 2006 में उन्होंने पुणे से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की।

यूपीएससी में 75वीं रैंक, फिर आईएएस

एमबीबीएस के बाद उन्होंने संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी शुरू की। दूसरे प्रयास में उन्होंने 75वीं रैंक हासिल कर भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयनित हुए। उन्हें छत्तीसगढ़ कैडर आवंटित हुआ। प्रशासन में उनके काम को काफी सराहा गया है और अब आईआरडीएआई में कार्यकारी निदेशक के रूप में उनकी नियुक्ति को उनके प्रशासनिक करियर का महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है।

2 घंटे के कार्यक्रम के लिए 5 करोड़ खर्च, रेल मंत्री के दौरे से पहले रायपुर में सरकारी पैसे से साज-सज्जा पर उठे सवाल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव 12 अक्टूबर को आरपीएफ के राइजिंग डे कार्यक्रम में शामिल होने रायपुर आ रहे हैं। इस दौरान उनके द्वारा रायपुर-राजिम और रायपुर-रावघाट ट्रेन को हरी झंडी दिखाए जाने की उम्मीद है।लेकिन दौरे से पहले की तैयारियों ने फिजूलखर्ची पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। ट्रैक के सीमेंट स्लीपर और गिट्टियों तक को रंगा जा रहा है। प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर सालों बाद अफसरों के कक्षों के दरवाजे रंगे जा रहे हैं, पर्दे लगाए जा रहे हैं।

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, करीब दो घंटे के कार्यक्रम और उससे जुड़ी तैयारियों पर 4 से 5 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। अकेले आरपीएफ को राइजिंग डे आयोजन के लिए 85 लाख रुपये का बजट मिला है।

> **रातों-रात सड़क तैयार**
>
> स्टेशन से डब्ल्यूआरएस ग्राउंड तक कमियां दूर करने के लिए डीआरएम कार्यालय से ग्राउंड जाने वाली सड़क का डामरीकरण कराया जा रहा है। ग्राउंड में नई सीसी रोड भी बनाई गई है। वीआईपी स्वागत में हो रहे इस अनोखे रंग-रोगन पर लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या यह सरकारी धन और संसाधनों का फिजूलखर्च नहीं है?

कुलपति-कुलसचिव के आपसी खींचतान से विश्वविद्यालय की साख दांव पर

एक तरफ वाहवाही लूटने छात्रहित में निर्णय, अंदरखाने में चल रही कुर्सी की जंग

एक-दूसरे को अयोग्य बताने में पीछे नहीं, उठ रहा सवाल- छात्रों का भविष्य क्या होगा?

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। सरगुजा का संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय इन दिनों बाहर से कहने के लिए छात्रहित में फैसले ले रहा है, अंदर से अफसरों की जंग का अखाड़ा बना हुआ है। कुलपति जहां एक ओर कुलसचिव की नियुक्ति को चैलेंज करते हुए उन्हें अयोग्य बताने में लगे हैं, और कहते हैं कि यहां पहले से भ्रष्टाचार चल रहा था, जिसे उन्होंने रोकने की कोशिश की। भ्रष्टाचार रोका तो ये कुछ ठेकेदारों के साथ मिलकर उनका विरोध करने लगे। वहीं कुलसचिव भी कुलपति की योग्यता को हासिए में लेकर भ्रष्टाचार करने की बातों पर जोर दे रहे हैं। इनका कहना है कि निजी स्वार्थों की पूर्ति नहीं होने के कारण उन्हें आरोपों के घेरे में लिया जा रहा है।

बता दें कि, एक तरफ कुलपति प्रो. राजेंद्र लाकपाले ने छात्रों की असाइनमेंट फीस माफ कर 500 रुपये तक की राहत का ऐलान किया, दूसरी तरफ उन्हीं कुलपति और कुलसचिव डॉ. शारदा प्रसाद त्रिपाठी के बीच ऐसा घमासान छिड़ा है कि मामला सीधे शासन तक पहुंच गया है। इस पूरे घटनाक्रम के बीच एक बड़ा खुलासा ये भी है कि इस विश्वविद्यालय को सरकार से सिर्फ 2 करोड़ रुपये मिलते हैं, जबकि इसका सालाना खर्च 6 करोड़ 80 लाख रुपये है। यानी 4 करोड़ 80 लाख रुपये का बोझ सीधे छात्रों की फीस से निकलता है। छात्रों के पैसे से चलने वाले विश्वविद्यालय में बेहतर शिक्षा के बजाय अगर आरोप-प्रत्यारोप का खेल चल रहा हो, तो सवाल उठना लाजमी है।

बहरहाल अब गेंद शासन के पाले में है। दोनों तरफ से लगाए गए भ्रष्टाचार, अयोग्यता और नियम विरुद्ध काम के आरोपों की निष्पक्ष जांच ही सच्चाई सामने ला सकती है। 2 करोड़ सरकारी अनुदान और 4.80 करोड़ छात्रों की फीस से चलने वाले इस विश्वविद्यालय में अगर अफसरशाही की लड़ाई जारी रही, तो सबसे बड़ा नुकसान उसी छात्र का होगा, जिसे 500 रुपये की राहत देकर खुश करने की कोशिश की जा रही है।

> **कुलसचिव का पलटवार: निजी स्वार्थ पूरे नहीं कर रहा**
>
> कुलसचिव डॉ. शारदा प्रसाद त्रिपाठी ने पलटवार में कहा है कि 'मेरी नियुक्ति शासन ने की है, मुख्यमंत्री के अनुमोदन से हुई है। मैं 35 वर्षों से उच्च शिक्षा विभाग में द्वितीय और प्रथम श्रेणी में पदस्थ हूं। रजिस्ट्रार का पद प्रतिनियुक्ति का पद है और मेरी नियुक्ति संवर्गीय प्रतिनियुक्ति पर हुई है। फिर भी योग्यता पर सवाल उठाना समझ से परे है।Ó कुलसचिव ने आरोप लगाया कि वे नियमों से काम कर रहे हैं। उन्हें शासन के नियमों को मानने और मनवाने के लिए नियुक्त किया गया है, किसी के व्यक्तिगत स्वार्थ की पूर्ति के लिए नहीं। कुछ लोगों के व्यक्तिगत स्वार्थ पूरे नहीं हो रहे, इसलिए अनर्गल आरोप लगाए जा रहे हैं। मैं नियमों को ताक पर नहीं रख सकता। मेरे पास भी शासन को बताने के लिए पर्याप्त चीजें हैं।

कुलपति का मास्टर स्ट्रोक, छात्रों को राहत

विश्वविद्यालय ने 9 अक्टूबर को प्रेस विज्ञप्ति जारी करके बताया कि शैक्षणिक सत्र 2026-27 की दिसंबर सेमेस्टर परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन 1 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक पोर्टल पर भरे जा रहे हैं। पहले प्रति प्रश्नपत्र 100 रुपये असाइनमेंट शुल्क लिया जाता था। छात्र संगठनों की मांग पर कुलपति प्रो. राजेंद्र लाकपाले ने इसे माफ करने का निर्णय लिया। विश्वविद्यालय का दावा है कि इससे हर छात्र को 400 से 500 रुपये तक की सीधी बचत होगी। इस फैसले से कुलपति की छात्रहितैषी छवि बनी, लेकिन अंदर की कहानी बिल्कुल उलट है।

ऐसे में कैसे दूर होंगी छात्रहित की समस्याएं

इस जंग के बीच विश्वविद्यालय का भकुरा स्थित नया परिसर भी सवालों के घेरे में है। वहां मिट्टी खनन, फर्नीचर, सफाई सामग्री की खरीदी और सुरक्षा व्यवस्था के टेंडरों में गड़बड़ी के आरोप लग रहे हैं। विश्वविद्यालय का भवन आज भी अधूरा है। रिजल्ट में त्रुटियों, फीस बढ़ोतरी को लेकर छात्र पहले ही कई बार आंदोलन कर चुके हैं। इन सबके बीच कुलपति का दावा है कि छात्रों का कोई नुकसान नहीं होगा, सारे रिजल्ट निकाले जा चुके हैं, एडमिशन और कक्षाएं शुरू हो गई हैं। लेकिन हकीकत ये है कि जिस विश्वविद्यालय का 70 प्रतिशत खर्च छात्रों की फीस से चलता हो, वहां प्रबंधन का ध्यान बेहतर लैब, बेहतर क्लास और अधूरे भवन को पूरा करने पर होना चाहिए, न कि एक-दूसरे को अयोग्य साबित करने पर।

> **भ्रष्टाचार रोका तो ठेकेदारों से मिलकर करने लगे विरोध**
>
> इसी विश्वविद्यालय में कुलपति और कुलसचिव आमने-सामने हैं। कुलपति प्रो. राजेंद्र लाकपाले ने शासन को पत्र लिखकर कुलसचिव डॉ. शारदा प्रसाद त्रिपाठी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कुलपति का आरोप है कि कुलसचिव ठेकेदारों के साथ मिलकर भ्रष्टाचार कर रहे हैं और इस पद के लिए योग्य ही नहीं हैं। उन्होंने कुलसचिव को पद से हटाने की मांग की है। एक बयान में कुलपति ने कहा-यहां के रजिस्ट्रार को अपने काम की जानकारी ही नहीं है। जांच में पता चला कि इस पद के लिए जो योग्यता चाहिए, वो इनमें है ही नहीं। शासन के राजपत्र अनुसार रजिस्ट्रार के लिए सहायक प्राध्यापक उच्च वेतनमान, सह प्राध्यापक उच्च वेतनमान या प्राध्यापक स्तर का अनुभव होना चाहिए। ये तो सहायक प्राध्यापक वेतनमान के हैं, इनका प्रोबेशन भी पूरा नहीं हुआ है।

महावीरपुर में छात्र की रक्तरंजित लाश मिली, शिक्षिका मां भी लापता

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। जयनगर थाना क्षेत्र के महावीरपुर स्थित कोरेया बाड़ी पंचायत सड़क किनारे शनिवार सुबह नाली के पास मिले रक्तरंजित युवक के शव की पहचान हो गई है।

मृतक की पहचान बिश्रामपुर थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत केशवनगर स्थित ममता कॉलोनी निवासी सुजल बरेठ के रूप में हुई है, जो कार्मेल कॉन्वेंट स्कूल बिश्रामपुर में कक्षा 12 वीं का छात्र है। इस मामले में एक और चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है कि मृतक की मां रजनी बरेठ भी शुक्रवार से लापता बताई जा रही हैं, जो सूरजपुर के बेलटिकरी में शिक्षिका के पद पर पदस्थ हैं। जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह महावीरपुर पंचायत कोरेया बाड़ी में सड़क किनारे नाली के पास युवक का रक्तरंजित शव मिलने की सूचना पर जयनगर पुलिस मौके पर पहुंची थी। घटनास्थल पर एफएसएल, डॉग स्क्वायड और साइबर सेल की टीम ने जांच की। शुरुआती तौर पर युवक के शरीर पर कई गंभीर चोट के निशान मिलने के कारण हत्या की आशंका जताई गई है। मृतक की मां रजनी बरेठ के भी लापता होने की जानकारी सामने आने के बाद मामले ने गंभीर मोड़ ले लिया है। बताया जा रहा है कि उनकी स्कूटी नायरा पेट्रोल पंप के पास लावारिस हालत में बरामद हुई है।

छात्र की मौत और उसकी मां के लापता होने के बीच क्या संबंध है, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच में जुटी है। मृतक की मौत के कारणों और मां के लापता होने की परिस्थितियों का खुलासा जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

टीबी मुक्त बलरामपुर के लिए 'जोश' कार्यक्रम का शुभारंभ, 10 टीबी मुक्त पंचायतों के सरपंच सम्मानित

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। टीबी मुक्त भारत अभियान को जनभागीदारी से गति देने के लिए आज जिला कलेक्टोरेट सभाकक्ष में कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी की उपस्थिति में जोश (जॉइंट स्क्वाड फॉर हेल्थ) कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में इसका राष्ट्रीय शुभारंभ किया, जिसका सीधा प्रसारण उपस्थित लोगों ने देखा। स्वास्थ्य, युवा कार्यक्रम एवं खेल तथा रक्षा मंत्रालय की इस संयुक्त पहल में प्रथम श्रेणी के अधिकारी, माई भारत स्वयंसेवक और एनसीसी कैडेट गांव-गांव तक टीबी की पहचान, जांच, उपचार और पोषण का संदेश पहुंचाएंगे।

कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने टीबी मुक्त पंचायतों के सरपंचों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि जिले में तीन वर्षों में टीबी मुक्त पंचायतों की संख्या 20 से बढ़कर 216 तक पहुंची है। यह इस बात का प्रमाण है कि पंचायत, स्वास्थ्य अमला और समुदाय मिलकर काम करें तो टीबी को हराया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अब लक्ष्य पूरे जिले को टीबी मुक्त बनाना है। इसके लिए संभावित मरीजों की समय पर पहचान, जांच और नियमित दवा के साथ पोषण सहायता सुनिश्चित की जाएगी। कलेक्टर ने कहा कि टीबी का इलाज पूरी तरह संभव और निःशुल्क है, इसलिए लक्षण दिखते ही जांच कराना और दवा का पूरा कोर्स लेना सबसे जरूरी है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों, एनसीसी कैडेटों और मितानिनों से इस अभियान को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया और सभी को टीबी मुक्त बलरामपुर की शपथ दिलाई।

कार्यक्रम में जिले की 10 टीबी मुक्त ग्राम पंचायतों के सरपंचों को प्रमाण पत्र और महात्मा गांधी की प्रतिमा देकर सम्मानित किया गया। पहली बार टीबी मुक्त हुई ग्राम पंचायत चितविश्रामपुर, नवाडीह, तातापानी, ओबरी, पिण्डरा और अमडण्डा को कांस्य प्रतिमा मिली। लगातार दूसरी बार यह उपलब्धि हासिल करने वाली सरंगपुर, डूमरखोला, झलरिया औरकृष्णनगर पंचायतों को रजत प्रतिमा प्रदान की गई। उपचाररत टीबी मरीजों को पोषण सहयोग के रूप में फूड बास्केट भी वितरित किए गए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. विजय कुमार सिंह ने बताया कि वर्ष 2025 में जिले में 16,021 संभावित मरीजों की जांच की गई। इनमें 928 मरीजों में टीबी की पुष्टि हुई, जिनमें से 845 उपचार के बाद स्वस्थ हो चुके हैं और शेष का उपचार जारी है।

मेमू ट्रेन की चपेट में आने से वृद्ध की दर्दनाक मौत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। अंबिकापुर-अनूपपुर रेल पथ पर बिश्रामपुर स्टेशन से करंजी स्टेशन छोर में माइनर्स कॉलोनी के समीप गुजरे रेल ट्रैक में शनिवार दोपहर मेमू ट्रेन की चपेट में आकर 60 वर्षीय वृद्ध की मौत हो गई है। स्टेशन प्रबंधक की सूचना पर मौके पर पहुंची बिश्रामपुर पुलिस ने शव पंचनामा की कार्यवाही पूरी कर शव को पीएम के लिए अस्पताल भेजा है।मृतक के पैकेट में मिले आयुष्मान कार्ड से उसकी पहचान विश्वनाथ गुप्ता निवासी ग्राम पंचायत सतपता के रूप में हुई है। पुलिस ने परिजन को मौके पर बुलवाकर शव की शिनाख्त कराई है।परिजनों के मुताबिक वह सुबह से घर से निकला था। मृतक कार्मेल कॉन्वेंट स्कूल बिश्रामपुर के पास फुल्की चाट का ठेला लगाकर अपना व परिवार का भरण पोषण करता था। दोपहर में उसका शव रेलवे ट्रैक पर पड़ा मिला। रेल प्रबंधन के मुताबिक वह अंबिकापुर-शहडोल मेमू के सामने अचानक आ गया था। घटना शनिवार दोपहर पौने दो बजे की बताई जा रही है। वृद्ध ने जान बुझकर आत्महत्या की है अथवा नशे के हालत में ट्रैक पार करने के प्रयास में उसकी जान गई, पुलिस इस बात की जांच कर रही है।

डीपाडीह कला हायर सेकेंडरी स्कूल में फॉर्म-6 कार्य का निरीक्षण, बीएलओ कर रहे घर-घर संपर्क

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देश पर नए मतदाताओं को जोड़ने के लिए विशेष अभियान संचालित है। इसी क्रम में शंकरगढ़ तहसील के डीपाडीह कला स्थित हायर सेकेंडरी स्कूल में फॉर्म-6 संबंधी कार्य का निरीक्षण किया गया। अभियान के अंतर्गत कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक संस्थानों में इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब (ईएलसी) के माध्यम से शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, जहां पात्र युवाओं के नाम दर्ज किए जा रहे हैं।

सभी बूथ लेवल अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं, जिसके तहत वे घर-घर सर्वे कर नागरिकों से संपर्क कर रहे हैं। इच्छुक आवेदक ईसीआईनेट मोबाइल ऐप अथवा www.voters.eci.gov.in ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑफलाइन आवेदन संबंधित मतदान केंद्र क्षेत्र के बीएलओ के पास जमा किया जा सकता है। किसी भी कठिनाई के समाधान के लिए ऐप की 'बुक अ कॉल विद बीएलओ' सुविधा से सीधे बात करने का विकल्प उपलब्ध है। साथ ही टोल फ्री नंबर 1950 पर भी सहायता ली जा सकती है।

दो गिट्टी लोड हाइवा को खनिज अमले ने पकड़ की कार्यवाही

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। सूरजपुर जिले के खनिज अमले ने सरगुजा जिले के बरियों गिट्टी खदान से गिट्टी लेकर सूरजपुर जिला पहुंची दो हाइवा वाहनों को दत्तिमा लटोरी मार्ग से पकड़ उन्हें बिश्रामपुर पुलिस थाना के अभिरक्षा में सौंपा है।बताया गया कि हाइवा वाहन क्रमांक सीजी 15 ईके 4677 में सात सौ फिट की बीस एमएम गिट्टी समेत वाहन चालक मुकेश यादव पिता धर्मपाल यादव निवासी भैया थान एवं हाइवा क्रमांक सीजी 15 डीई 8200 में 30 एमएम की सात सौ फिट गिट्टी लोड थी जिसके चालक जेवियर बेक पिता सस्तू बेक निवासी राजपुर को पकड़ वाहन समेत बिश्रामपुर पुलिस की अभिरक्षा में सौंपा है।बता दे कि रोजाना दर्जनों ट्रको में सरगुजा के बरियों से गिट्टी सूरजपुर सहित बैकुंठपुर एमसीबी इसी जिले से होकर पहुंचती है।माईनिंग अमला कभी कभार ऐसे मामलों में कार्यवाही कर अपनी उपस्थिति दर्ज कराता रहा है।

सीमेंट उतारते समय गणेशपुर के हमाल की मौत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। जयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत गणेशपुर निवासी एक युवक की सीमेंट लोड ट्रक में हमाली के दौरान मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत गणेशपुर निवासी 42 वर्षीय सीताराम कुजूर पिता सोहन राम शनिवार को ग्राम पंचायत कुंजनगर की ट्रक में सीमेंट लोडकर ग्राम पंचायत बधिमा गया था। वहां सीमेंट खाली करने के दौरान अचानक हादसा हो गया, जिसमें उसकी जान चली गई। घटना किन परिस्थितियों में हुई और हादसे की वास्तविक वजह क्या थी, इसकी विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। मामले में ग्राम पंचायत बधिमा के सरपंच ने मानवीय पहल करते हुए मृतक के शव को उसके गृह ग्राम गणेशपुर भिजवाने की व्यवस्था की। वहीं ट्रक मालिक के घटनास्थल अथवा मृतक के घर नहीं पहुंचने की बात सामने आने के बाद परिजनों में नाराजगी व्याप्त है। हादसे की खबर मिलते ही मृतक के परिवार में मातम पसर गया। मृतक अपने पीछे पत्नी, तीन पुत्रियों और एक पुत्र सहित चार बच्चों का परिवार छोड़ गया है। परिवार के कमाऊ सदस्य की असमय मौत से परिजनों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

पण्डो समाज ने कृषि मंत्री नेताम को सौंपा आभार पत्र

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। रामानुजगंज के पंडित दीनदयाल उपाध्याय मांगलिक भवन में आज विशेष पिछड़ी पण्डो जनजाति के लिए तीन प्री-मैट्रिक छात्रावासों का शुभारंभ हुआ। कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने रामानुजगंज के बालक और बालिका छात्रावास तथा डिण्डो के बालक छात्रावास का शुभारंभ किया। इस अवसर पर पण्डो जनजाति समाज कल्याण समिति के पदाधिकारियों ने उन्हें आभार पत्र सौंपा। समाज ने अपनी वर्षों पुरानी मांगें कम समय में पूरी होने पर कृषि मंत्री का सेवा जोहार के साथ अभिनंदन किया।

आभार पत्र के अनुसार लगभग 10 माह पहले समाज के प्रतिनिधिमंडल ने कृषि मंत्री से भेंट कर बच्चों के लिए छात्रावास, सामाजिक भवन और जाति सुधार की मांग रखी थी। इसके बाद रामानुजगंज में बालक-बालिका और डिण्डो में बालक छात्रावास की स्वीकृति मिली। महादेवपुर-खुटरा स्थित सामाजिक भवन का निर्माण, समतलीकरण, ट्यूबवेल और बिजली व्यवस्था का कार्य भी पूरा हुआ। जाति सुधार की मांग पर 27 अप्रैल 2026 को टीआरआई विभाग से प्रतिवेदन तैयार कराकर शासन के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

समाज ने पत्र में लिखा कि इन कदमों से केवल भवन नहीं बने हैं। इनसे पण्डो जनजाति की भावी पीढ़ी को आगे बढ़ने का रास्ता मिला है, समाज का अस्तित्व सुरक्षित हुआ है और उसे नई पहचान मिली है। कृषि मंत्री को 'जन-दुलरुवा, पाल के लाल' कहते हुए समाज ने लिखा कि उनका यह योगदान पण्डो समाज के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में लिखा जाएगा। आभार स्वीकार करते हुए कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि पण्डो समाज का स्नेह और विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है। समाज के लिए वे जितना भी कार्य और सेवा करें, वह कम है। उन्होंने कहा कि समाज ने बच्चों के भविष्य के लिए जो मांगें रखी थीं, उन्हें पूरा करना उनका दायित्व था। आगे भी समाज के उत्थान और विकास के लिए वे हर संभव सार्थक कदम उठाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि ये छात्रावास पण्डो समाज के बच्चों, विशेषकर बेटियों के लिए शिक्षा की नई राह खोलेंगे। पढ़-लिखकर यही बच्चे आगे चलकर समाज का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों को नियमित रूप से छात्रावास और स्कूल भेजने का आग्रह किया। उन्होंने समाज के लोगों से शासन की जनहितकारी योजनाओं का पूरा लाभ लेने और अपनी आजीविका के साधनों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि आर्थिक संपन्नता के साथ अपनी भाषा, परंपरा और संस्कृति को सहेजकर रखना भी उतना ही जरूरी है, क्योंकि यही समाज की असली पहचान है।

साइबर ठगी से बचाने सिलफिली कॉलेज पहुंच पुलिस ने किया जागरूक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। डिजिटल दौर में ऑनलाइन ठगी के बढ़ते मामलों के बीच विद्यार्थियों को साइबर अपराधों से बचाने और जागरूक करने के उद्देश्य से जयनगर पुलिस ने शासकीय महाविद्यालय सिलफिली में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल के निर्देशानुसार आयोजित कार्यक्रम में जयनगर थाना प्रभारी उपनिरीक्षक अमित गुप्ता ने विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव और आम नागरिकों की सुरक्षा से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। उन्होंने विद्यार्थियों को सतर्क रहने के साथ-साथ अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी जागरूक करने की अपील की।थाना प्रभारी अमित गुप्ता ने विद्यार्थियों को समझाया कि साइबर अपराधी अलग-अलग तरीकों से लोगों को अपने जाल में फंसाते हैं। कभी बैंक अधिकारी बनकर, तो कभी केवाईसी अपडेट करने, इनाम जीतने, नौकरी दिलाने अथवा अन्य आकर्षक ऑफर का लालच देकर लोगों से उनकी गोपनीय जानकारी हासिल करने का प्रयास किया जाता है। ऐसे में किसी भी अनजान व्यक्ति पर भरोसा कर मोबाइल से संबंधित गोपनीय जानकारी, बैंक खाते का विवरण, पासवर्ड अथवा ओटीपी साझा नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मोबाइल फोन और इंटरनेट का इस्तेमाल करते समय थोड़ी-सी लापरवाही भी आर्थिक नुकसान का कारण बन सकती है। अनजान लिंक पर क्लिक करने, संदिग्ध एप डाउनलोड करने और किसी के कहने पर स्क्रीन शेयर करने से भी बचना चाहिए। किसी भी प्रकार के लालच या झांसे में आने से पहले उसकी सत्यता की जांच करना बेहद जरूरी है। थाना प्रभारी ने विद्यार्थियों को साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल कार्रवाई करने की सलाह दी।

उन्होंने बताया कि यदि किसी व्यक्ति के साथ ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी होती है, तो बिना देर किए साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क कर शिकायत दर्ज करानी चाहिए। साथ ही साइबर अपराध से संबंधित आधिकारिक पोर्टल पर शिकायत दर्ज करने और स्थानीय पुलिस को सूचना देने की भी सलाह दी गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि साइबर ठगी की जानकारी देने में देरी करने से धनराशि वापस मिलने की संभावना प्रभावित हो सकती है। इसलिए घटना की जानकारी मिलते ही संबंधित बैंक और पुलिस को सूचित करना चाहिए तथा लेनदेन से जुड़े संदेश, स्क्रीनशॉट और अन्य साक्ष्य सुरक्षित रखने चाहिए। विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के साथ-साथ सतर्क नागरिक की भूमिका के बारे में भी बताया गया। थाना प्रभारी ने कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति के बहकावे में न आएं और संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी जिम्मेदार अधिकारियों को दें। क्षेत्र में कोई संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि दिखाई देने पर स्वयं जोखिम उठाने के बजाय पुलिस को सूचित करना चाहिए। पुलिस ने विद्यार्थियों को संदेश दिया कि सावधानी बरतें, गोपनीय जानकारी सुरक्षित रखें और साइबर ठगी होने पर बिना देर किए शिकायत करें। जागरूकता और समय पर कार्रवाई से साइबर अपराधों के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

सेवा सेतु शिविर डीपाडीहकला में 43 आवेदन प्राप्त

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। सेवा सेतु अभियान के अंतर्गत आज शंकरगढ़ विकासखंड के क्लस्टर ग्राम डीपाडीहकला (सावंत सरना) में शिविर आयोजित किया गया। शिविर में सामरी विधायक श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। जनपद पंचायत शंकरगढ़ की अध्यक्ष श्रीमती चिंतामणी भगत, उपाध्यक्ष श्रीमती प्रियंवदा सिंह देव और जिला पंचायत सदस्य श्रीमती गीता पैकरा भी उपस्थित रहीं। क्लस्टर की 18 ग्राम पंचायतों से कुल 43 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 06 का मौके पर निराकरण किया गया तथा शेष 37 आवेदनों के निराकरण के लिए समय-सीमा तय की गई। सर्वाधिक 17 आवेदन खाद्य विभाग और 15 आवेदन राजस्व विभाग से संबंधित रहे।

विधायक श्रीमती उद्धेश्वरी पैकरा ने अपने उद्बोधन में कहा कि सेवा सेतु शिविरों के माध्यम से शासन-प्रशासन स्वयं गांव तक पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान कर रहा है, इसलिए ग्रामीण इन शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाना है, इसके लिए ग्रामीण योजनाओं की जानकारी लेकर पात्रता अनुसार आवेदन अवश्य करें। उन्होंने अधिकारियों से शिविर में प्राप्त सभी आवेदनों का तय समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने को कहा।

शिविर में 16 किसानों को ऋण पुस्तिका, 62 विद्यार्थियों को जाति प्रमाण पत्र तथा 01 श्रवण बाधित छात्र को श्रवण यंत्र प्रदान किया गया। साथ ही 03 विद्यार्थियों को मोमेंटो एवं प्रशस्ति पत्र दिए गए और मिशन आचार्य के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं के 10-10 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग ने 'एक पेड़ बेटी के नाम' के तहत 04 बेटियों के परिजनों को चंदन के पौधे भेंट किए तथा 11 बच्चों का अन्नप्राशन और 11 गर्भवती माताओं की गोदभराई कराई। पशुधन विकास विभाग ने श्री महरा राम (जम्हाटी), श्री मंगल राम (हरगांवा), श्री मंगलू पैकरा (भुनेश्वरपुर) और श्रीमती मीना मिंज (सरगांवा) को सूकर पालन के लिए 9-9 हजार रुपये के डेमो चेक प्रदान किए।

विभागीय अधिकारियों ने अपने-अपने विभाग की योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों को दी। इस अवसर पर श्री मुकेश कश्यप, श्री बुधना राम, अपर कलेक्टर श्री अभिषेक गुप्ता, एसडीएम श्री विवेक अनमोल टोप्पो, जनपद पंचायत सीईओ श्री वेदप्रकाश पाण्डेय, तहसीलदार श्री दानिश परवेज, खंड शिक्षा अधिकारी श्री इस्माईल खान, परियोजना अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्री राहूल सिंह सहित अधिकारी-कर्मचारी, सरपंच-सचिव और ग्रामीण उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत मितगई में वीबी-जी राम जी रोजगार दिवस आयोजित, श्रमिकों को वितरित किए गए जॉब कार्ड

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन में जिले में वीबी-जी राम जी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जनपद पंचायत रामचंद्रपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत मितगई में बुधवार को रोजगार दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें योजना के तहत संचालित कार्यों में संलग्न श्रमिकों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की।

इस अवसर पर उपस्थित श्रमिकों को उनके जॉब कार्ड वितरित किए गए तथा योजना के प्रावधानों, रोजगार के अधिकार और मिलने वाले लाभों की जानकारी दी गई। आयोजन में ग्राम पंचायत के 10 से अधिक जॉब कार्डधारी महिला एवं पुरुष श्रमिक शामिल हुए, जिन्होंने 'रोजगार का सम्मान, आत्मनिर्भर भारत का निर्माण' के संकल्प के साथ कार्य में सहभागिता निभाई।

ग्राम पंचायत में वर्तमान में पत्थरों से चेकडैम, लूज बोल्डर तथा सीसीटी (कंटूर ट्रेंच) संरचनाओं का निर्माण कार्य प्रगति पर है। जल एवं मृदा संरक्षण से जुड़े इन कार्यों से वर्षा जल के संचयन, भू-क्षरण पर नियंत्रण और भूजल स्तर में सुधार को बल मिलेगा, वहीं ग्रामीणों को गांव में ही रोजगार उपलब्ध हो रहा है।

कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने कहा कि वीबी-जी राम जी योजना ग्रामीण परिवारों को सुनिश्चित रोजगार देने के साथ गांवों में टिकाऊ परिसंपत्तियों के निर्माण का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि रोजगार दिवस के जरिए प्रत्येक पात्र श्रमिक को योजना से जोड़कर उसे उसके अधिकारों के प्रति जागरूक करना प्राथमिकता है, ताकि कोई भी जरूरतमंद परिवार रोजगार से वंचित न रहे। उन्होंने जल संरक्षण कार्यों को गुणवत्ता के साथ समय-सीमा में पूर्ण करने तथा श्रमिकों को मजदूरी का भुगतान समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए हैं।

नक्सल खात्मे के बाद पहली बार बस्तर आयेंगे राहुल गांधी

■ बोधघाट परियोजना पर सरकार को घेरने की तैयारी

छ.ग. फ्रंटलाइन

रायपुर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी जल्द ही छत्तीसगढ़ दौरे पर आएंगे। इस दौरान वे बस्तर संभाग में बोधघाट बहुउद्देशीय परियोजना से प्रभावित होने वाले ग्रामीणों और किसानों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनेंगे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने रायपुर में पत्रकार वार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राहुल गांधी के दौरे की तारीख और विस्तृत कार्यक्रम जल्द तय किया जाएगा। नक्सलियों के खात्मे के बाद इसे राहुल गांधी का पहला बस्तर दौरा बताया जा रहा है।

जल, जंगल, जमीन का मुद्दा उठाएगी कांग्रेस

बैज ने कहा कि कांग्रेस बस्तर के जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए ग्रामीणों के साथ खड़ी है। आदिवासियों के अधिकारों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। बोधघाट परियोजना से स्थानीय जनजातीय समुदाय की आजीविका और सांस्कृतिक पहचान प्रभावित हो सकती है। कांग्रेस इस प्रवास के जरिए बोधघाट परियोजना से जुड़े विस्थापन और आदिवासियों के अधिकारों के मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने की तैयारी में है। इससे पहले प्रदेश कांग्रेस प्रभारी सुखदेव भगत बस्तर का दौरा कर ग्रामीणों की चिंताओं को जान चुके हैं। चार महीने पहले राहुल गांधी जिलाध्यक्षों की ट्रेनिंग के लिए रायपुर आए थे, जहां उन्होंने टपरी पर कांग्रेस नेताओं के साथ चाय पी थी।

बिजली और स्मार्ट मीटर पर सरकार को घेरा

पत्रकार वार्ता में बैज ने बिजली कटौती और स्मार्ट मीटर योजना को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरप्लस बिजली उत्पादन के बावजूद छत्तीसगढ़ को बाहर से बिजली खरीदनी पड़ रही है और अघोषित कटौती से लोग परेशान हैं। स्मार्ट मीटर को जनविरोधी बताते हुए उन्होंने कहा कि उपभोक्ता अधिक बिल और तेज रीडिंग की शिकायत कर रहे हैं। कांग्रेस कार्यकर्ता घर-घर जाकर स्मार्ट मीटर हटाने के समर्थन में सहमति पत्र भरवा रहे हैं।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर संदेश-तनाव और अवसाद को न करें नजरअंदाज

मेडिकल कॉलेज के ओपीडी में नर्सिंग छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक से किया जागरूक

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। राजमाता श्रीमती देवेंद्र कुमारी सिंहदेव शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय सह अस्पताल, अंबिकापुर में सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर विशेष जागरूकता एवं परामर्श ओपीडी का आयोजन किया गया। मानसिक स्वास्थ्य विभाग द्वारा पंजीयन हॉल में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और इससे जुड़ी भ्रांतियों को दूर करना था।

कार्यक्रम में चिकित्सकों ने आमजनों को समझाया कि मानसिक स्वास्थ्य भी शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्वपूर्ण है। तनाव, चिंता, अवसाद, नींद न आना जैसी समस्याओं को सामान्य समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समय पर विशेषज्ञ से परामर्श लेना ही सबसे बड़ा उपचार है। कार्यक्रम में लोगों को मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के टिप्स भी दिए गए। चिकित्सकों ने कहा कि अपनी समस्याओं को परिवार और भरोसेमंद लोगों से साझा करें, नियमित दिनचर्या बनाए रखें, पर्याप्त नींद लें और योग-व्यायाम को जीवनशैली में शामिल करें। मानसिक रोगियों के प्रति संवेदनशील व्यवहार अपनाने और उन्हें सामाजिक सहयोग देने की भी अपील की गई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण वी केयर नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक रहा। छात्राओं ने नाटक के माध्यम से मानसिक अवसाद, अकेलेपन और आत्महत्या जैसे गंभीर विषयों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत कर लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम मेडिकल कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. अविनाश मेश्राम, अस्पताल अधीक्षक डॉ. आर.सी. आर्या और सिविल सर्जन डॉ. जे.के. रेलवानी के निर्देशन में आयोजित हुआ। इस दौरान मानसिक स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सक, अधिकारी, कर्मचारी, नर्सिंग छात्र-छात्राएं और बड़ी संख्या में मरीजों के परिजन मौजूद रहे। अंत में आमजन को संदेश दिया गया कि मानसिक परेशानी होने पर चुप न रहें, संकोच न करें, बल्कि तुरंत परामर्श लें, क्योंकि समय पर इलाज से हर मानसिक समस्या का समाधान संभव है।

2 घंटे के कार्यक्रम के लिए 5 करोड़ खर्च

रेल मंत्री के दौरे से पहले रायपुर में सरकारी पैसे से साज-सज्जा पर उठे सवाल

छ.ग.फ्रंटलाइन

रायपुर। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव 12 अक्टूबर को आरपीएफ के राइजिंग डे कार्यक्रम में शामिल होने रायपुर आ रहे हैं। इस दौरान उनके द्वारा रायपुर-राजिम और रायपुर-रावघाट ट्रेन को हरी झंडी दिखाए जाने की उम्मीद है।लेकिन दौरे से पहले की तैयारियों ने फिजूलखर्ची पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। ट्रैक के सीमेंट स्लीपर और गिट्टियों तक को रंगा जा रहा है। प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर सालों बाद अफसरों के कक्षों के दरवाजे रंगे जा रहे हैं, पर्दे लगाए जा रहे हैं।

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, करीब दो घंटे के कार्यक्रम और उससे जुड़ी तैयारियों पर 4 से 5 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। अकेले आरपीएफ को राइजिंग डे आयोजन के लिए 85 लाख रुपये का बजट मिला है।

रातों-रात सड़क तैयार

स्टेशन से डब्ल्यूआरएस ग्राउंड तक कमियां दूर करने के लिए डीआरएम कार्यालय से ग्राउंड जाने वाली सड़क का डामरीकरण कराया जा रहा है। ग्राउंड में नई सीसी रोड भी बनाई गई है। वीआईपी स्वागत में हो रहे इस अनोखे रंग-रोगन पर लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या यह सरकारी धन और संसाधनों का फिजूलखर्च नहीं है?

दो चार पहिया वाहनों में भिड़ंत, दो के सिर में गंभीर चोटें आई

अंबिकापुर। अंबिकापुर-बिलासपुर मुख्य मार्ग में शनिवार को दोपहर करीब 2 बजे लखनपुर स्थित सुमन पेट्रोल पंप के पास दो चार पहिया वाहनों में जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि दोनों वाहनों के अगले हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। जानकारी के अनुसार ग्राम पलगड़ी से 8 लोग चार पहिया वाहन में सवार होकर लखनपुर की ओर आ रहे थे। जैसे ही वाहन ईंधन भराने के लिए सुमन पेट्रोलियम पंप की ओर मुड़ा, सामने से आ रही तेज रफ्तार इनोवा से उसकी सीधी टक्कर हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर के बाद एक वाहन मौके पर ही एक चक्कर घूम गया। दुर्घटना में पलगड़ी निवासी शेर सिंह और वंशधारी के सिर पर गंभीर चोटें आई हैं, वहीं एक अन्य व्यक्ति के हाथ में गंभीर चोट आने पर उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया है। वाहन में सवार लगभग सभी 8 लोगों को चोटें आई हैं, जिनमें 4 महिलाएं भी शामिल हैं।

तालाब में डूबे वृद्ध की इलाज के दौरान मौत

अंबिकापुर। तालाब में नहाने गए वृद्ध की पानी में डूबने से मौत हो गई। मृतक अपने भतीजा के साथ रहता था। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम चैनपुर टिकरापारा का जयनन्दन पिता स्व. भोकू राम 71 वर्ष, 7 अक्टूबर को नहाने के लिए गांव के ही दुल्ही तालाब गया था। नहाते समय पानी में डूब गया। गांव के बच्चों ने वृद्ध को तालाब में पानी के गहराई में जाते और डूबते देखा और इसकी सूचना भतीजा लल्लू राम को दी। स्वजन तालाब गए और वृद्ध को तालाब से बाहर निकालकर संजीवनी 108 एम्बुलेंस से लखनपुर स्वास्थ्य केंद्र लेकर गए। यहां से प्राथमिक चिकित्सा के बाद रिफर करने पर मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे। यहां इलाज के दौरान 9 अक्टूबर की रात 11.50 बजे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है।

चक्कर खाकर गिरे युवक की इलाज के दौरान मौत

अंबिकापुर। घर में अकेले मौजूद युवक की तबियत बिगड़ी, इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, सीतापुर थाना क्षेत्र के ग्राम राधापुर, धौरापारा का रामरतन उर्फ रामरथ पिता अमरसाय 25 वर्ष के पिता और बड़ा भाई राजेश पोर्ते बोरिंग गाड़ी में काम करने के लिए इंदौर गए थे। रामरतन घर में अकेले था। 7 अक्टूबर को अचानक उसका तबियत खराब हो गया, और 9 अक्टूबर को चक्कर आने के बाद गिर गया था। चाचा धोबन पोर्ते सहित अन्य उसे संजीवनी 108 एम्बुलेंस से सीतापुर स्वास्थ्य केन्द्र ले गए। यहां जांच और आवश्यक उपचार सुविधा उपलब्ध कराने के बाद चिकित्सक ने बीमार युवक को रिफर कर दिया। मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर में इलाज के दौरान 10 अक्टूबर को अलसुबह 2 बजे वह दम तोड़ दिया। अस्पताल से मिली सूचना पर पुलिस ने मृत्यु का वास्तविक कारण जाने के लिए मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया है।

जहरीले पदार्थ का सेवन किए वृद्ध की मौत

अंबिकापुर। जहरीले पदार्थ का सेवन किए वृद्ध की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक धनसाय राजवाड़े 60 वर्ष सूरजपुर जिले के झिलमिली, भैयाथान थाना अंतर्गत ग्राम नरकालो का रहने वाला था, बच्चे नहीं थे। बीते 4 अक्टूबर को वह अज्ञात कारणों से जहर सेवन कर लिया। स्वजन उसे क्षेत्रीय अस्पताल से रिफर करने पर संजीवनी अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराए थे। यहां इलाज के दौरान 9 अक्टूबर को देर रात एक बजे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है। मृतक के शव का पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया गया है।

आईआरडीएआई में पांच साल के लिए कार्यकारी निदेशक बने छत्तीसगढ़ कैडर के आईएएस तंबोली अय्याज फकीरभाई

छ.ग.फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ कैडर के 2009 बैच के आईएएस अधिकारी तंबोली अय्याज फकीरभाई को बड़ी जिम्मेदारी मिली है।

उन्हें भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) में कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया गया है। वित्तीय सेवा विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, उनकी नियुक्ति पदभार ग्रहण करने की तिथि से पांच वर्ष के संयुक्त कार्यकाल या अगले आदेश तक प्रभावी रहेगी।

बारामती के छोटे से गांव से आईआरडीएआई तक का सफर

डॉ. तंबोली अय्याज फकीरभाई का जन्म 23 दिसंबर 1981 को महाराष्ट्र के पुणे जिले की बारामती तहसील के सोमेश्वर नगर में हुआ था। उनका मूल गांव पुणे जिले की शिरूर तहसील में स्थित मुखरी है। उनके पिता पास के जातेगांव में प्राथमिक शिक्षक थे। उन्होंने नौवीं से बारहवीं तक की पढ़ाई शिरूर में पूरी की। गणित और विज्ञान में रुचि रखने वाले तंबोली ने 12वीं के बाद पहले इंजीनियरिंग में प्रवेश लिया, लेकिन तीन महीने बाद ही उन्होंने यह पढ़ाई छोड़कर डॉक्टर बनने का निर्णय लिया। वर्ष 2006 में उन्होंने पुणे से एमबीबीएस की पढ़ाई पूरी की।

यूपीएससी में 75वीं रैंक, फिर आईएएस

एमबीबीएस के बाद उन्होंने संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी शुरू की। दूसरे प्रयास में उन्होंने 75वीं रैंक हासिल कर भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयनित हुए। उन्हें छत्तीसगढ़ कैडर आवंटित हुआ। प्रशासन में उनके काम को काफी सराहा गया है और अब आईआरडीएआई में कार्यकारी निदेशक के रूप में उनकी नियुक्ति को उनके प्रशासनिक करियर का महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है।

वन विभाग एवं पुलिस के संयुक्त तत्वावधान में आमाखेरवा छठ घाट पर चला स्वच्छता अभियान, जवानों ने किया श्रमदान

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेन्द्रगढ़ एमसीबी। जनसेवा से राष्ट्रसेवा और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प को साकार करने के उद्देश्य से सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत मनेन्द्रगढ़ के आमाखेरवा छठ घाट पर वन विभाग एवं पुलिस विभाग के संयुक्त तत्वावधान में नदी-घाट स्वच्छता एवं प्लास्टिक मुक्ति जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। वन विभाग के संयोजन में आयोजित इस कार्यक्रम में पुलिस जवानों, वन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों तथा जनप्रतिनिधियों ने श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया। अभियान के माध्यम से नदी-घाटों को स्वच्छ रखने, प्लास्टिक प्रदूषण कम करने और पर्यावरण संरक्षण में जनभागीदारी बढ़ाने का आह्वान किया गया।

कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह, नगर पालिका परिषद मनेन्द्रगढ़ की अध्यक्ष प्रतिमा यादव, डीएफओ दुलेश्वर साहू, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल विश्वकर्मा, अपर कलेक्टर लिंगराज सिदार, एसडीएम शशि शेखर मिश्रा, पार्षद स्वप्निल सिन्हा, अंकित शर्मा एवं जलील शाह सहित वन विभाग और पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। वन विभाग की ओर से रेंजर विश्वनाथ सहित अन्य कर्मचारियों ने भी सहभागिता निभाई।

पुलिस की विभिन्न इकाइयों के लगभग 60 अधिकारी-कर्मचारियों ने किया श्रमदान

स्वच्छता अभियान में पुलिस अधीक्षक कार्यालय, पुलिस लाइन मनेन्द्रगढ़, थाना मनेन्द्रगढ़, थाना झगराखंड, चौकी खोंगापानी, साइबर सेल और कंट्रोल रूम के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। इसके साथ ही 18वीं वाहिनी चैनपुर के सशस्त्र बल के जवानों ने भी श्रमदान किया। लगभग 60 पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों एवं जवानों की सहभागिता से अभियान को व्यापक स्वरूप मिला। थाना प्रभारी झगराखंड राकेश कुमार साहू, साइबर सेल प्रभारी निरीक्षक यशवंत सिंह श्याम, जिला विशेष शाखा प्रभारी राम सिंह टेकाम और सूबेदार कामेश कुमार सहित अन्य जवानों ने भी सक्रिय भूमिका निभाई।

स्वच्छ घाट, सुरक्षित पर्यावरण का दिया संदेश

अभियान के माध्यम से संदेश दिया गया कि नदी-घाटों एवं सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखना सभी की साझा जिम्मेदारी है। प्लास्टिक का कम उपयोग, कचरे का उचित निपटान और नियमित साफ-सफाई जैसे छोटे प्रयास पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। वन विभाग एवं पुलिस विभाग की संयुक्त पहल ने प्रशासनिक समन्वय और सामूहिक श्रमदान के माध्यम से नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम ने पर्यावरण संरक्षण, प्लास्टिक मुक्ति और जनभागीदारी का संदेश देते हुए नागरिकों से आमाखेरवा छठ घाट सहित सभी सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की।

'महतारी वंदन योजना की राशि से बच्चों की पढ़ाई को संवार रहीं अंजू राजवाड़े'

कोरिया। छत्तीसगढ़ शासन की महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक संबल प्रदान करने के साथ उनके परिवार की जरूरतों को पूरा करने में भी सहायक बन रही है। कोरिया जिले के ग्राम ओड़गी निवासी 27 वर्षीय श्रीमती अंजू राजवाड़े, पति श्री महेंद्र राजवाड़े, इस योजना से मिलने वाली राशि का उपयोग अपने बच्चों की पढ़ाई-लिखाई पर कर रही हैं। अंजू राजवाड़े बताती हैं कि बच्चों की शिक्षा उनके उज्ज्वल भविष्य की नींव है। ऐसे में महतारी वंदन योजना के तहत हर माह मिलने वाली एक हजार रुपये की सहायता राशि बच्चों की पढ़ाई से जुड़ी जरूरतों को पूरा करने में काफी उपयोगी साबित हो रही है। इस राशि से उन्हें शैक्षणिक खर्चों में सहयोग मिलता है और बच्चों की शिक्षा को बेहतर बनाने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि बच्चों का भविष्य संवारने में यह राशि महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। वे चाहती हैं कि उनके बच्चे अच्छी शिक्षा प्राप्त कर जीवन में आगे बढ़ें। इसलिए वे योजना से मिलने वाली सहायता राशि का उपयोग शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण कार्य में कर रही हैं। अंजू राजवाड़े ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना जैसी पहल महिलाओं और उनके परिवारों के लिए काफी उपयोगी है। इससे महिलाओं को अपनी जरूरतों को पूरा करने के साथ बच्चों की पढ़ाई में भी आर्थिक सहयोग मिल रहा है। महतारी वंदन योजना से अंजू राजवाड़े जैसी जिले की हजारों पात्र विवाहित महिलाओं को मिलने वाली आर्थिक सहायता उनके परिवार की छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने और बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने में सहायक बन रही है।

'शासन की योजनाओं से किसान बंशीलाल राजवाड़े को मिल रही आर्थिक राहत'

कोरिया। शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं किसानों को आर्थिक संबल प्रदान करने के साथ ही कृषि कार्यों को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। कोरिया जिले के ग्राम जूनापारा बिशुनपुर निवासी किसान श्री बंशीलाल राजवाड़े भी इन योजनाओं का लाभ लेकर अपनी खेती-किसानी को आगे बढ़ा रहे हैं। किसान श्री बंशीलाल राजवाड़े के पास 5.68 हेक्टेयर कृषि भूमि है, जिसमें वे धान की खेती करते हैं। वे केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा निर्धारित व्यवस्था के तहत अपनी उपज का विक्रय करते हैं। राज्य सरकार द्वारा निर्धारित धान की कीमत की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार किसानों की उपज का अच्छा दाम दे रही है, जिससे किसानों को आर्थिक रूप से फायदा मिल रहा है। श्री राजवाड़े ने बताया कि उन्हें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत अब तक 23 किस्तों की राशि प्राप्त हो चुकी है। इसके साथ ही किसान समृद्धि योजना के अंतर्गत उन्होंने अपने खेत में सोलर पंप भी लगवाया है। इससे उन्हें कृषि कार्यों में सुविधा मिल रही है। उन्होंने कहा कि शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ मिलने से उन्हें काफी राहत मिलती है। किसानों के हित में संचालित योजनाओं और कृषि संबंधी सुविधाओं से खेती-किसानी को सहयोग मिल रहा है। श्री बंशीलाल राजवाड़े ने योजनाओं का लाभ मिलने पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

'नवगई निवासी श्रीमती इंद्रकुंवर का सहारा बनी महतारी वंदन योजना'

कोरिया। वैवाहिक जीवन के बाद पारिवारिक जीवन में आने वाली अनेक कठिनाईयों को पत्नी और पति मिलकर सहजता से स्वीकार कर लेते हैं। इसका महत्वपूर्ण आधार होता है दोनों का साथ होना। लेकिन यदि दोनों में से किसी एक का साथ छूट जाए तो फिर कठिनाईयों को सम्हालना मुश्किल हो जाता है। नवगई में रहने वाले सोमार साय की असमय मृत्यु से ठीक ऐसी ही कठिन परिस्थितियों में उनकी पत्नी इंद्र कुंवर फंस गई थीं। पति के जाने के बाद अपने परिवार के साथ रहने वाली इंद्र कुंवर के लिए आर्थिक संबल बेहद जरूरी था। ऐसे में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा जारी महतारी वंदन योजना ने इनकी कठिन परिस्थितियों में एक मजबूत सहारा दिया। प्रति माह मिलने वाली राशि से अब इंद्रकुंवर को अपने दैनिक खर्च के लिए किसी पर आश्रित नहीं होना पड़ रहा है। श्रीमती इंद्रकुंवर ने बताया कि पति के जाने के बाद वे अपने परिवार के साथ रहकर जीवन यापन करती है साथ ही अपने और अपने बच्चों के खर्च के लिए मजदूरी भी करती है।

सम्पादकीय

डिजिटल सुरक्षा वैश्विक जरूरत

डिजिटल तकनीक ने दुनिया को जितनी तेजी से जोड़ा है, उतनी ही तेजी से साइबर अपराध ने भी अपनी सीमाएं बढ़ाई हैं। आज मोबाइल फोन केवल बातचीत का माध्यम नहीं रह गया है। बैंकिंग, खरीदारी, सरकारी सेवाएं, पहचान, कारोबार और व्यक्तिगत सूचनाएं सब कुछ एक छोटे से उपकरण में सिमट गया है। ऐसे में डिजिटल व्यवस्था पर नागरिक का भरोसा उसकी सबसे बड़ी पूंजी है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का साइबर धोखाधड़ी और डीपफेक से निपटने के लिए वैश्विक तंत्र बनाने का आह्वान समय की महत्वपूर्ण जरूरत को सामने रखता है। साइबर अपराध की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि इसका कोई निश्चित भौगोलिक क्षेत्र नहीं है। ठग एक देश में बैठकर दूसरे देश के नेटवर्क का इस्तेमाल कर तीसरे देश के नागरिक को निशाना बना सकता है। फर्जी कॉल, संदेश, लिंक और डिजिटल भुगतान के जरिए होने वाली ठगी अब किसी एक शहर या देश की कानून-व्यवस्था की समस्या नहीं रही। इसके पीछे अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क, तकनीकी साधन और कई बार अलग-अलग देशों में मौजूद अपराधी काम करते हैं। डीपफेक ने इस खतरे को और गंभीर बना दिया है। एआई की मदद से किसी व्यक्ति की आवाज, चेहरा और वीडियो इस तरह तैयार किए जा सकते हैं कि वास्तविक और नकली में अंतर करना आम व्यक्ति के लिए बेहद कठिन हो जाए। आने वाले समय में यह चुनौती और बढ़ सकती है। इसलिए साइबर सुरक्षा को केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई तक सीमित नहीं रखा जा सकता। असली जरूरत ऐसी व्यवस्था बनाने की है, जो संदिग्ध कॉल, संदेश, वेबसाइट, भुगतान या डिजिटल पहचान को नागरिक तक पहुंचने से पहले ही पहचान सके। इसके लिए सरकारों के साथ दूरसंचार कंपनियों, बैंकों, तकनीकी कंपनियों और डिजिटल मंचों को साझा जिम्मेदारी निभानी होगी। मोबाइल और इंटरनेट की गति बढ़ाना डिजिटल विकास का एक पहलू है, लेकिन सुरक्षित डिजिटल वातावरण बनाना उसका दूसरा और उतना ही महत्वपूर्ण पहलू है। 5जी और आने वाली 6जी तकनीक, एआई, डिजिटल भुगतान और इंटरनेट आधारित सेवाओं का विस्तार तभी सार्थक होगा, जब नागरिक को यह भरोसा हो कि उसकी निजी जानकारी सुरक्षित है और उसके नाम पर कोई धोखाधड़ी नहीं हो सकती। ऐसे में डिजिटल सुरक्षा वैश्विक जरूरत बना गई है। इसमें सभी देशों को अपनी भूमिका निभानी होगी। दुनिया ने जिस तरह आतंकवाद, मादक पदार्थों और संगठित अपराध के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय सहयोग की जरूरत को स्वीकार किया है, उसी तरह अब साइबर अपराध के खिलाफ भी साझा वैश्विक व्यवस्था बनानी होगी। देशों के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान, अपराधियों की पहचान, डिजिटल साक्ष्यों की उपलब्धता और त्वरित कार्रवाई के लिए स्पष्ट व्यवस्था जरूरी है। डीपफेक जैसी तकनीक के दुरुपयोग को रोकने के लिए भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर साझा मानक विकसित करने होंगे। डिजिटल क्रांति को रोकना समाधान नहीं है और न ही ऐसा होना चाहिए। तकनीक विकास, सुशासन और आर्थिक प्रगति का शक्तिशाली माध्यम है। लेकिन इसका उपयोग सही दिशा में हो, तभी यह सार्थक होगी। जरूरत केवल इतनी है कि इसकी रफ्तार के साथ सुरक्षा की रफ्तार भी बढ़े। डिजिटल दुनिया में भरोसा टूट गया तो तकनीकी प्रगति की चमक फीकी पड़ जाएगी। इसलिए डिजिटल सुरक्षा अब किसी एक देश, कंपनी या संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की साझा जरूरत है।

आर्थिकी

डॉ.जयंतीलाल भंडारी

बढ़ती विकास दर के सामने चुनौतियां

भारत की विकास दर के बारे में प्रकाशित हो रही वैश्विक और राष्ट्रीय रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि भारत की बढ़ती विकास दर के सामने वैश्विक और घरेलू मुश्किलों की चुनौतियां बनी हुई हैं। इस समय कच्चे तेल के ऊंचे दाम, कमजोर मानसून और महंगाई देश की बड़ी चुनौतियां हैं। इन परिस्थितियों में देश के आर्थिक ढांचे को मजबूत बनाए रखने के लिए एक संतुलित और दूरदर्शी नीति की अत्यंत आवश्यकता है। विनिर्माण क्षेत्र की मजबूती से आपूर्ति शृंखला में आने वाली बाधाओं को दूर किया जा सकता है, जिससे दीर्घकालिक रूप से महंगाई को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। ऐसा होने पर ही आर्थिक और वित्तीय चुनौतियों के बीच भी अर्थव्यवस्था वृद्धि की राह पर आगे बढ़ सकेगी।

इन दिनों भारत की विकास दर के बारे में प्रकाशित हो रही वैश्विक और राष्ट्रीय रिपोर्टों में कहा जा रहा है कि भारत की बढ़ती विकास दर के सामने वैश्विक और घरेलू मुश्किलों की चुनौतियां बनी हुई हैं। 6 अक्टूबर को प्रकाशित विश्व बैंक की नई रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की विकास दर के पूर्व निर्धारित अनुमान 6.6 प्रतिशत को बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया गया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इस वित्त वर्ष में विकास दर बनाए रखने के लिए भारत को वैश्विक और घरेलू आर्थिक चुनौतियों का रणनीतिपूर्वक सामना करते हुए आगे बढ़ना होगा।

इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि इस समय देश के सामने आर्थिक वृद्धि बरकरार रखने की चुनौतियां दिखाई दे रही हैं। 7 अक्टूबर को रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया ने रेपो रेट में 0.25 प्रतिशत की जो वृद्धि की है, उससे भी विकास की रफ्तार पर असर होगा। हाल ही में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत- अमेरिका व्यापार वार्ता में गतिरोध आ गया है। अमेरिका ने भारत से निर्यात नियंत्रित करने के लिए टैरिफ को दबाव के साधन के रूप में इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। 18 सितंबर को अमेरिका में नए कानून के तहत राष्ट्रपति ट्रंप की मुट्ठी में भारत पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की नई शक्ति आ गई है। भारत के लिए सबसे बड़े निर्यात बाजार अमेरिका में निर्यात बढ़ाने की नई चुनौती भी आर्थिक वृद्धि की राह में बड़ी चुनौती दिखाई दे रही है। इस परिप्रेक्ष्य में हाल ही में प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव-2 शक्तिकांत दास ने कौटिल्य इकोनामिक कॉन्क्लेव में कहा कि देश को अपनी आर्थिक वृद्धि की गति बनाए रखने के लिए और 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए लगातार सुधारों और अधिक आत्मनिर्भरता पर जोर देना होगा। गौरतलब है कि एक अक्टूबर को वित्त मंत्रालय ने सितंबर 2026 की अपनी मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा है कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, वैश्विक वित्तीय स्थितियों में कड़ाई, अमेरिकी व्यापार नीतियों से जुड़ी अनिश्चितताएं, महंगाई और देश में कमजोर मानसून से निर्मित परिस्थितियां इस समय देश की आर्थिक वृद्धि की गति को बनाए रखने में बड़ी चुनौतियां बन गई हैं। इस परिदृश्य के कारण भारत की अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही यानी जुलाई से सितंबर में 7.3 प्रतिशत की वृद्धि दर हासिल कर सकती है। जबकि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारत ने 7.8 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की थी। ऐसे में भारत भू-राजनीतिक ध्रुवीकरण और वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं में बढ़ते व्यवधानों के कारण अपनी विकास दर को लेकर बेफिक्र नहीं रह सकता। देश के करीब एक तिहाई हिस्से में सूखे का संकट भी सामने दिखाई दे रहा है। भारत मौसम विभाग (आइएमडी) के मुताबिक अलनीनो के असर से इस बार मानसून के सीजन में करीब 12.6 प्रतिशत बारिश कम रही है और ऐसे में देश के 38 प्रतिशत हिस्से में सूखे का खतरा है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के द्वारा प्रकाशित बुलेटिन 'स्टेट ऑफ द इकोनॉमी' के अनुसार देश की आर्थिक रफ्तार की राह पर वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताएं, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, ट्रंप टैरिफ और कमजोर मानसून की चुनौतियां मुश्किलों के रूप में दिखाई दे रही हैं। लेकिन इसके बावजूद मजबूत

घरेलू बुनियाद के दम पर देश की अर्थव्यवस्था दमदार बनी हुई है। 25 सितंबर 2026 तक भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 747.6 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह चालू वित्त वर्ष की अप्रैल से जून तिमाही में 6 प्रतिशत बढ़कर 19.81 अरब डालर की ऊंचाई पर पहुंचकर पांच वर्षों के उच्चतम मासिक स्तर पर रहा है। वहीं, दूसरी ओर सरकार किसी भी प्रकार की घरेलू और वैश्विक चुनौतियों का मुकाबला करने और आर्थिक रफ्तार बनाए रखने के लिए रणनीतिपूर्वक आगे बढ़ रही है। निसंदेह अब तक वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और अनिश्चितताओं के बीच पूरी दुनिया में जिस तरह भारत की आर्थिक साख बढ़ी है, अब उसे बनाए रखना एक चुनौती है। गत 23 सितंबर को एसएंडपी और फिच रेटिंग्स जैसी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों ने भारत की विकास दर के अनुमान को बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया है और कहा है कि इस प्रदर्शन के दम पर भारत जी-20 देशों में सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। वैश्विक रेटिंग एजेंसी मूडीज रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर का पूर्वानुमान बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दिया है, जो पहले 6 प्रतिशत रहने का अनुमान था। इस रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक सुस्ती के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था में लचीलापन देखने को मिला है। भारत की जीडीपी वृद्धि अनुमान में बढ़ोतरी का मुख्य आधार मजबूत घरेलू मांग, निजी खपत में लगातार सुधार, और बुनियादी ढांचा क्षेत्र में सरकारी व निजी निवेश में आई तेजी है। मूडीज ने भारत की सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग को 'बीएए 3' पर बनाए रखा है और देश के आर्थिक आउटलुक को 'स्थिर' रखा है। रिपोर्ट के अनुसार यद्यपि विकास की गति सकारात्मक है, लेकिन भविष्य की चुनौतियों की ओर भी ध्यान दिया जाना जरूरी है। कहा गया है कि वैश्विक बाजार में कच्चे तेल और ऊर्जा की ऊंची कीमतें भारत के आयात बिल और चालू खाते के घाटे को प्रभावित कर सकती हैं। मौसम के प्रतिकूल प्रभावों जैसे अल नीनो के कारण खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि महंगाई और ग्रामीण खपत पर दबाव डाल सकती है। वस्तुतः मूडीज का यह संशोधित अनुमान दर्शाता है कि भारत वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भी दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक बना हुआ है। दुनिया की प्रसिद्ध जापानी क्रेडिट रेटिंग एजेंसी (जेसीआर) ने भारत की विदेशी और स्थानीय मुद्रा दीर्घकालिक जारीकर्ता रेटिंग के साथ-साथ कंट्री सीलिंग को एक पायदान ऊपर बढ़ा दिया है। उल्लेखनीय है कि जेसीआर के मुताबिक भारतीय अर्थव्यवस्था लगभग सात प्रतिशत की उच्च विकास दर बनाए रखने में सफल रही है। डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) जैसे ढांचागत सुधारों ने अर्थव्यवस्था की नींव को मजबूत किया है। निसंदेह अब देश और दुनिया के बदलते माहौल के बीच भारत के लिए वृद्धि दर बनाए रखना भी एक कठिन काम है। भारत के सामने कई चुनौतियां उभर कर दिखाई दे रही हैं।

इस समय कच्चे तेल के ऊंचे दाम, कमजोर मानसून और महंगाई देश की बड़ी चुनौतियां हैं। इन परिस्थितियों में देश के आर्थिक ढांचे को मजबूत बनाए रखने के लिए एक संतुलित और दूरदर्शी नीति की अत्यंत आवश्यकता है। इसमें कोई दो मत नहीं कि विनिर्माण क्षेत्र की मजबूती से आपूर्ति शृंखला में आने वाली बाधाओं को दूर किया जा सकता है, जिससे दीर्घकालिक रूप से महंगाई को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। ऐसा किए जाने पर ही आर्थिक और वित्तीय चुनौतियों के बीच भी अर्थव्यवस्था वृद्धि की राह पर आगे बढ़ सकेगी।

(लेखक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

पर्यटन

सुशील देव

एक बार बस्तर का दशहरा भी देखें !

यह बेहद सुकुन देने वाली बात है कि छत्तीसगढ़ का बस्तर, जिसे आमतौर पर नक्सलवाद और लाल आतंक के नाम से जाना जाता था, पर्यटन के नक्शे पर उसकी पहचान अब संस्कृति और प्रकृति की अनुपम छटा वाले पर्यटन क्षेत्र के रूप में जाना जा रहा है। वास्तव में बस्तर का वन क्षेत्र बेहद निराला है। प्रकृति की हरियाली और स्वच्छता पर्यटकों को आकर्षित करता है। धीरे-धीरे बस्तर न केवल विकास की धारा से जुड़ रहा है बल्कि पयर्टन के हिसाब से भी तेजी से बदल रहा है। यहां का खूबसूरत इलाका अपनी अनोखी आदिवासी संस्कृति, घने जंगलों की छटा सबका ध्यान खींच रहा है। साथ ही, यहां के लोगों का भावपूर्ण और अतिथि सत्कार भी दुनिया भर के पर्यटकों को लुभा रहा है। बारिश का मौसम बीतने के बाद से ही यहां हरे-भरे जंगल, पहाड़ और उनके उफनते पर्यटकों का मन मोह रहे हैं। इसलिए आज की तारीख में बस्तर भी देश के बेहतरीन पर्यटन स्थलों में एक साबित हो रहा है। हालांकि बस्तर का दशहरा बहुत पहले से प्रसिद्ध है, लेकिन हाल के दिनों में इस अवसर पर जुटने वाले सैलानियों की संख्या में खासा इजाफा दर्ज किया गया है। इस वर्ष भी यहां का दशहरा देखने के लिए देश-विदेश से बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। नवरात्रि और दशहरा के अलावा यहां दीपावली पर भी दुनिया भर से भारी संख्या में सैलानी पहुंचते हैं। इस बार और अधिक सैलानियों की उम्मीद की जा रही है। निश्चित तौर से इससे वहां की आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है। वहां के लोगों को इस बहाने रोजगार के साधन मिलते हैं। चर्चा है कि इस बार 75 दिनों तक चलने वाले बस्तर के दशहरा में कुछ खास होने वाला है, जो यहां के सैलानियों को दिखेगा। गौरतलब है कि दशहरा यहां सिर्फ पूजा-पाठ का त्योहार नहीं, बल्कि नए बस्तर की नई पहचान के रूप में मनाया जाएगा। असल में बस्तर का दशहरा देश के बाकी हिस्सों से बहुत अलग और अनोखा होता है। ध्यान देने योग्य बात है कि बस्तर में रावण के पुतले का दहन नहीं होता। यानी यहां रावण दहन या राम-रावण युद्ध के किसी प्रसंग को दोहराने की परंपरा नहीं है। क्योंकि यहां देवी और प्रकृति की आराधना होती है। इसलिए बस्तर का यह प्रसिद्ध उत्सव भगवान राम की विजय या रावण वध से जुड़ा हुआ नहीं है। यह पूरी तरह से यहां की आराध्य देवी मां दंतेश्वरी और क्षेत्र के स्थानीय देवी-देवताओं को समर्पित है। यहां रावण दहन के बजाय विशाल लकड़ी के रथ खींचने, देवी-देवताओं की डोलियों के मिलन और आदिवासी लोक-परंपराओं पर पूरा फोकस होता है। मान्यता है कि बस्तर प्राचीन काल में दंडकारण्य का हिस्सा माना जाता था, इसलिए यहां रावण के पुतले को जलाने के बजाय उसकी संस्कृति और स्थानीय आस्था से जुड़ी रस्में (जैसे भीतर रैनी, बाहर रैनी और रथ परिक्रमा) निभाई जाती हैं। इस बार दशहरा और भी खास होने वाला है, क्योंकि देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य मेहमान के तौर पर शामिल होने वाली हैं। देश की राष्ट्रपति के इसमें शामिल होने से इस आयोजन का महत्व और भी बढ़ गया है। खास बात यह भी है कि दशहरा देखने आ रहे सैलानी अब बस्तर के दूसरे गांवों और पर्यटन स्थलों तक भी पहुंच रहे हैं, जिससे यहां के स्थानीय लोगों की कमाई के रास्ते खुल गए हैं। होटल और होम-स्टे चलाने वालों ने पर्यटकों के स्वागत की पूरी तैयारी कर ली है। सैलानियों को सिर्फ प्राकृतिक नजारे ही नहीं, बल्कि पारंपरिक बस्तरिया पकवान खाने और यहां की लोक कलाओं को नजदीक से देखने का मौका भी मिलेगा। छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के प्रबंधन के मुताबिक वर्तमान राज्य सरकार बस्तर में इको-टूरिज्म, होम-स्टे और एडवेंचर टूरिज्म को तेजी से बढ़ावा दे रही है। सुरक्षा और आने-जाने के रास्तों में सुधार होने से पर्यटकों की संख्या बढ़ी है। सरकार का मकसद सिर्फ सैलानी बढ़ाना नहीं, बल्कि पर्यटन को रोजगार से जोड़ना है। इससे स्थानीय युवाओं, महिलाओं, गाइडों, कारीगरों और छोटे कारोबारियों को सीधे फायदा मिल रहा है। इससे यह समझा जा सकता है कि अब बस्तर आने वाले लोग सिर्फ दशहरा देखकर नहीं लौट रहे, बल्कि चित्रकोट जलप्रपात, तीरथगढ़, कांगेर घाटी, कुटुमसर और कैलाश गुफा जैसी जगहों पर भी जा रहे हैं। बारिश के बाद यहां की हरियाली और झरने इन जगहों को और भी खूबसूरत बना देते हैं। कांगेर घाटी में पर्यटकों को घने जंगलों के साथ आदिवासी जीवन को करीब से देखने का मौका मिल रहा है। स्पष्ट है कि पर्यटकों के यहां आने से बस्तर की ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है। होम-स्टे, स्थानीय खाना, महुआ से बने उत्पाद, हस्तशिल्प और सुंदर कलाकृतियां पर्यटकों को बहुत पसंद आ रही हैं। इससे वाहन चालकों, छोटे दुकानदारों, कलाकारों और महिला समूहों की कमाई बढ़ रही है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जीवन का विकास ऊर्ध्वगामी स्वरूप में होता है

संकलित

दर्शन

जिस प्रकार संपूर्ण जीवन का विकास ऊर्ध्वगामी स्वरूप में होता है, उसी प्रकार मनुष्यों का विकास भी प्रारंभिक मानवीय प्रतिभाओं से आरंभ होकर विकास की उच्चतर अवस्थाओं तक होता है। उनकी क्षमता एक जन्म के बाद दूसरे जन्म में निरंतर और अधिकाधिक विकसित होती रहती है। संपूर्ण मानव जाति विकास एवं प्रतिविकास के चक्रों से गुजरती रहती है, जिन्हें शास्त्रों में युगों के नाम से संबोधित किया जाता है। उनका आरोहण और अवरोहण होता रहता है। इस समय हम एक ऐसे युग में हैं, जो आरोहण की अवस्था में है। दूसरे शब्दों में, वर्तमान काल में जन्म लेने वाले आत्माएं अपने दादा-दादी और परदादा-परदादी की अपेक्षा विकास की उच्चतर अवस्था में हैं।- आज के बच्चों को देखें, उनके अंदर स्वाभाविक रूप से यह भावना है-, 'नहीं, केवल किसी की त्वचा के रंग के कारण मेरे हृदय में उनके प्रति घृणा उत्पन्न नहीं होगी,' और इन बच्चों के हृदयों में एक अन्य प्रकार की मानवीय अज्ञानता के प्रति एक स्वाभाविक अस्वीकृति है, जिसमें संपूर्ण विश्व के सभी देशों में पुरानी पीढ़ियां दृढ़तापूर्वक विश्वास करती थीं। यह लगभग ऐसा है कि जैसे वे पहले से ही थोड़ी-बहुत तैयारी करके आते हैं। मेरे विचार से, जब आपकी आयु मेरी वर्तमान आयु के बराबर होगी, तो संभवतः आप और भी बहुत अधिक विकास को देखेंगे। तब आप पीछे मुड़कर देखेंगे और कहेंगे, 'ओह, उन पिछली पीढ़ियों के लोग ऐसे कैसे हो सकते थे?'

सफलता के लिए योजना बनाकर काम करें

संकलित

प्रेरणा

जब भगवान विष्णु श्रीकृष्ण रूप में अवतार लेने वाले थे। देवकी और वसुदेव कंस की कैद में थे। कंस ने देवकी-वसुदेव की 6 संतानों का वध कर दिया था। सातवीं संतान के रूप में बलराम देवकी के गर्भ में आए तो भगवान विष्णु ने योगमाया से कहा था कि आप इस सातवीं संतान को देवकी के गर्भ से निकाल कर वसुदेव जी की दूसरी पत्नी रोहिणी के गर्भ में स्थापित कर दो। इसके बाद कंस को ये सूचना दी जाएगी कि सातवां गर्भ गिर गया है। योगमाया ने ऐसा ही किया। इसके बाद जब आठवीं संतान के जन्म का समय आया तो भगवान ने योगमाया से कहा कि अब मेरे अवतार लेने का समय आ गया है। जब मेरे अवतार का जन्म होगा, ठीक उसी समय आप गोकुल में यशोदा के गर्भ से जन्म लेना। वसुदेव जी कंस के कारागर से निकालकर मुझे गोकुल पहुंचाएंगे और आपको लेकर कंस के कारागार में आ जाएंगे। जब कंस आठवीं संतान को मारने के लिए आएगा तब आप मुक्त हो जाना। भगवान ने जो योजना बनाई थी, उसी के अनुसार श्रीकृष्ण का अवतार हो गया। इस कथा में भगवान ने संदेश दिया है कि जब भी कोई काम करना हो तो उसकी योजना जरूर बनाएं। योजना अच्छी होगी तो सफलता जरूर मिलेगी।

सटाका

आज की पाती

तेल की कीमतों का झटका और भारत में बढ़ती महंगाई

महंगाई केवल बाजार में वस्तुओं की कीमत बढ़ने का नाम नहीं है, बल्कि इसके पीछे कई घरेलू और वैश्विक कारण काम करते हैं। जब किसी देश में विदेशों से आयात की जाने वाली वस्तुओं या कच्चे माल की कीमत बढ़ती है और उसका असर घरेलू बाजार की कीमतों पर पड़ता है, तो इसे आयातित महंगाई कहा जाता है। भारत जैसे देश के लिए यह चुनौती अधिक गंभीर है क्योंकि हमारी अर्थव्यवस्था ऊर्जा की आवश्यकताओं के लिए काफी हद तक आयातित कच्चे तेल पर निर्भर है। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में होने वाला उतार-चढ़ाव इसलिए केवल पेट्रोल और डीजल की कीमतों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका असर परिवहन, उद्योग, कृषि, खाद्य पदार्थों और अंततः आम आदमी की जेब तक पहुंचता है।

- नवरत्न, दादरी

करंट अफेयर

यूएन में भारत ने पाकिस्तान के दोहरे रवैये को उजागर किया

भारत ने आतंकवाद पर पाकिस्तान के दोहरे रवैये को संयुक्त राष्ट्र में उजागर करते हुए जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मसूद अजहर पर इनाम की घोषणा करके आतंकवाद को दिए जा रहे सरकारी समर्थन को छिपाने के इस्लामाबाद के प्रयासों की आलोचना की और कहा कि दुनिया 9/11, 26/11 और पहलगाम हमलों को नहीं भूली है। भारत ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा की छठी समिति में "अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद को खत्म करने के उपाय" विषय पर पाकिस्तान के प्रतिनिधि के बयान पर जवाब देने के अपने अधिकार का इस्तेमाल किया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन में प्रथम सचिव रघु पुरी ने कहा, "पाकिस्तान आतंकवाद से निपटने की बात करता है, जबकि वह उस सवाल को छिपाने की कोशिश कर रहा है जिसका सामना इस समिति को करना चाहिए, जब आतंकवादियों को किसी देश की जमीन से वित्तपोषण, मदद, प्रशिक्षण, पनाह या समर्थन दिया जाता है तो क्या होता है?" उन्होंने कहा कि भारत इस मुद्दे पर लगातार अपना रुख स्पष्ट करता रहा है और इस बात पर जोर देता रहा है कि आतंकवाद को केवल घोषणाओं के जरिए नहीं हराया जा सकता बल्कि इसके लिए अपराधियों, साजिशकर्ताओं, वित्तपोषकों और प्रायोजकों के खिलाफ कार्रवाई जरूरी है।

ऑफ बीट

फिटनेस ट्रैकिंग के छिपे खतरे विशेषज्ञों ने किया सावधान

मोबाइल ऐप, स्मार्टवॉच और अन्य पहनने योग्य फिटनेस उपकरणों का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि ये उपकरण लोगों को अधिक सक्रिय जीवनशैली अपनाने में मदद करते हैं, लेकिन इन पर अत्यधिक निर्भरता मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह भी हो सकती है। शोधकर्ताओं के अनुसार, फिटनेस ट्रैकर केवल शारीरिक गतिविधियों का रिकॉर्ड नहीं रखते, बल्कि लक्ष्य, अलर्ट, बैज, 'स्ट्रीक' और स्वचालित फीडबैक के जरिए लोगों के व्यवहार को भी प्रभावित करते हैं। जहां ये कुछ लोगों को अधिक सक्रिय बनने के लिए प्रेरित करते हैं, वहीं कई लोगों में चिंता, अपराधबोध, तनाव और खान-पान संबंधी अस्वास्थ्यकर व्यवहार भी देखने को मिला है। पिछले एक दशक से इस विषय पर शोध कर रहे विशेषज्ञ ने फिटनेस ट्रैकिंग से जुड़े पांच प्रमुख जोखिमों की पहचान की है। विशेषज्ञ के अनुसार, पहला खतरा प्रतिदिन 10,000 कदम चलने के लक्ष्य को लेकर है। उन्होंने कहा कि यह लक्ष्य 1960 के दशक में जापान में एक पेडोमीटर के प्रचार अभियान से जुड़ा था और इसे सभी लोगों के लिए वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित मानक नहीं माना जाता। कई शोध बताते हैं कि अधिकतर वयस्कों के लिए लगभग 7,000 कदम भी पर्याप्त और अधिक व्यावहारिक हो सकते हैं।

ट्रेंड

आत्मविश्वास और संकल्प

हमने जो भी प्रगति देखी है, वह इसलिए संभव हो पाई क्योंकि करोड़ो भारतीयो ने पूरे आत्मविश्वास और संकल्प के साथ देश के बदलाव में हिस्सा लिया। यह देखना विशेष रूप से सुखद है कि यह बदलाव लोगो के रोजमर्रा के जीवन में भी दिखाई दे रहा है।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

67933 गांव टीबी-मुक्त

आज यह बहुत खुशी की बात है कि 67,933 ग्राम पंचायतो को टीबी-मुक्त घोषित किया गया है। इस उपलब्धि के लिए हमारे चुने हुए प्रतिनिधियो, स्वयंसेवको और समुदाय के सदस्यो को बधाई।

- जेपी नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्यमंत्री

पाटेकर का निधन दुःखद

मशहूर अभिनेता नाना पाटेकर के निधन की खबर बेहद दुःखद है। अपनी एक्टिंग और किरदारो के जरिए उन्होने भारतीय सिनेमा और दर्शको के दिलो पर गहरी छाप छोड़ी है। दुख की इस घड़ी मे, मेरी गहरी संवेदनाए उनके परिवार, दोस्तो और चाहने वालो के साथ है।

-राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

देशद्रोही वामपंथी

देशद्रोही वामपंथी, जो सैद्धांतिक रूप से लोकतंत्र पर अविश्वास करते है और हिंसक क्रांति मे भरोसा रखते है, साथ ही राष्ट्रवाद का पुरजोर विरोध करते है, उनका संस्थानो की छवि खराब करने का एक लंबा इतिहास रहा है।

- केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम, यूपी

उपचुनाव में भी भाजपा ने मारी बाजी

नंदीग्राम में 1.22 लाख के भारी अंतर से जीती, सुवेंदु का 2016 का रिकॉर्ड भी टूट गया, कांग्रेस और टीएमसी की जमानत जब्त

कई राज्यों में अभी चुनाव परिणाम जारी नहीं किए गए, वहां पर मतगणना चल रही

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली/ कोलकाता

भाजपा ने पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक नया इतिहास रचते हुए नंदीग्राम और रेजीनगर में ऐतिहासिक और रिकॉर्ड तोड़ जीत दर्ज की है। नंदीग्राम में भाजपा ने 1.22 लाख से अधिक वोटों के भारी अंतर से जीत हासिल की है। इसने फाल्टा के 1.09 लाख वोटों के अंतर और सुवेंदु अधिकारी के 2016 के लगभग 82,000 वोटों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। रेजीनगर में भी भाजपा ने 72,710 वोटों के रिकॉर्ड अंतर से शानदार जीत दर्ज की है। इस सीट पर हुमायूं कबीर के उम्मीदवार दूसरे स्थान पर रहे, जबकि मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी की टीएमसी के उम्मीदवार रबीउल तीसरे स्थान पर खिसक गए और कांग्रेस से भी पीछे रह गए। 4 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी की उपचुनाव वाली सीटों पर मतगणना चल रही है।

यहां पर हुए थे उपचुनाव

तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी और असम में इसी साल विधानसभा चुनाव हुए थे। तमिलनाडु में 2 विधायकों के पार्टी बदलने और इस्तीफा देने से 2 सीटें खाली हुईं। वहीं, पुडुचेरी में सीएम एन. रंगासामी के 2 सीटों पर जीत के बाद एक सीट छोड़ने से उपचुनाव हुआ। इसके अलावा, बंगाल में भी मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी और हुमायूं कबीर ने 2-2 सीटों पर चुनाव जीता। इसके बाद उन्हें एक-एक सीट छोड़नी पड़ीं। असम में सांसद प्रद्युत बोरदोलोई ने विधायक बनने के लिए लोकसभा सीट से इस्तीफा दिया था।

असम और पुडुचेरी में भी खिला कमल

असम की नगांव लोकसभा सीट पर भाजपा उम्मीदवार देवाशीष शर्मा की ने बड़ी जीत दर्ज की है। इसमें एआईयूडीएफ उम्मीदवार मोहम्मद बदरुद्दीन अजमल दूसरे स्थान पर रहे। इस बीच पुडुचेरी की थट्टनचावड़ी सीट पर एनआर कांग्रेस के अशोक आनंद जीत चुके हैं। उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार ई. विनायगम को 8,482 वोटों से हराया।

तमिलनाडु उपचुनाव

सीएम विजय की पार्टी ने जीतीं दोनों सीटें

चेन्नई। तमिलनाडु में सत्ताधारी पार्टी 'तमिलगा वेट्री कझगम' (टीवीके) ने मदुरंतकम और धारापुरम विधानसभा उपचुनाव जीत लिए हैं। मरगथम कुमारवेल और सत्यभामा ने अपने-अपने डीएमके पार्टी के प्रतिद्वंद्वियों को हराया। इस जीत से पार्टी कार्यकर्ताओं में जश्न का माहौल है। अब तमिलनाडु में मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय के नेतृत्व वाली सरकार की राजनीतिक स्थिति और मजबूत हो गई है। मरगथम कुमारवेल ने मदुरंतकम सीट 17,554 वोटों के अंतर से जीती। जबकि सत्यभामा ने धारापुरम में 10,196 वोटों से जीत हासिल की।

राज्यसभा की 11 सीटें

भाजपा के 8, सपा के 2 निर्विरोध निर्वाचित उत्तराखंड में भाजपा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश से राज्यसभा की दस सीटें बिना मतदान के फाइनल हो गईं। भाजपा के 8और सपा के 2 सदस्य निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। 2 निर्दलीय प्रत्याशियों के गुरुवार को पर्चे खारिज होने के बाद इनका निर्वाचन साफ हो गया था। दो निर्दलीय उम्मीदवारों के पर्चे खारिज होने और नाम वापसी की अंतिम तिथि तक किसी के पीछे न हटने से 10 वैध उम्मीदवार रह गए। उत्तराखंड में भाजपा जीती है।

खबर संक्षेप

विजयन के खिलाफ एफआईआर का आदेश

तिरुवनंतपुरम। केरल हाईकोर्ट ने सीएमआरएल रिश्वत मामले में ईडी की रिपोर्ट के आधार पर पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और अन्य लोगों के खिलाफ भ्रष्टाचार-रोधी कानून के तहत एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया। जस्टिस ए. बदरुद्दीन ने वकील केएम शाहजहां की याचिका को मंजूरी दे दी। शाहजहां का तर्क था पुलिस को एफआईआर दर्ज करनी चाहिए।

होमगार्ड ने पत्नी-बेटी की गला कसकर हत्या की

लखनऊ। कृष्णानगर कोतवाली क्षेत्र के भोला खेड़ा में शुक्रवार तड़के एक होमगार्ड ने अपनी पत्नी और बेटी की गला कसकर हत्या कर दी। आरोपी ने खुद पुलिस को फोन कर घटना की जानकारी दी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। कृष्णानगर इंस्पेक्टर ने बताया कि रविंद्र शंकर होमगार्ड है।

पीएम मोदी के नाम पर होगा जेवर हवाई अड्डा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम 'नरेंद्र मोदी जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट' करने का प्रस्ताव पारित किया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कैबिनेट की बैठक के बाद प्रेसवार्ता में इसकी जानकारी दी। उन्होंने प्रधानमंत्री के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि अयोध्या में 500 वर्षों का इंतजार खत्म हुआ है।

कैंची धाम में अब पंजीकरण अनिवार्य

हल्द्वानी। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रदेश व्यापारी सम्मेलन में प्रतिभाग किया। राजकीय मेडिकल कालेज हल्द्वानी के सभागार में कैंची धाम में उमड़ रही भीड़ को लेकर कहा कि जाम से पर्वतीय क्षेत्रों को जाने वाले लोगों को सच में बड़ी परेशानी हो रही है। सरकार व्यवस्था को व्यवस्थित करने लगातार प्रयास कर रही है।

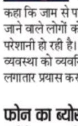

फोन का ब्योरा और 'लोकेशन' दी, 5 अरेस्ट

मुंबई। मुंबई पुलिस ने फोन कॉल और मोबाइल उपभोक्ताओं का ब्योरा तथा उनकी मौजूदा 'लोकेशन' की जानकारी अवैध रूप से हासिल कर दूसरों को मुहैया कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए 2 पुलिसकर्मियों समेत 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरोह महाराष्ट्र, झारखंड और बिहार में सक्रिय था। पुलिसकर्मियों में एक झारखंड और दूसरा बिहार का है।

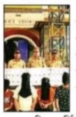

भारत मंडपम में यूपीएससी के शताब्दी समारोह में बोले प्रधानमंत्री

आप सभी युवा एक साथ राष्ट्र के भविष्य के मुख्य निर्माता और प्राथमिक लाभार्थी होंगे

स्मारक डाक टिकट, विशेष सिक्का और 100 अहम केस कानूनों का संकलन जारी किया

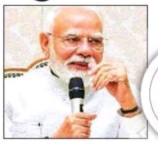

सरकारी पद की लालसा के बजाए जनसेवा की ओर आकर्षित हों

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली के भारत मंडपम में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के शताब्दी समारोह में भाग लिया। प्रधानमंत्री ने समृद्ध विरासत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह 100 साल का उत्सव वास्तव में लाखों युवाओं की अपार आकांक्षाओं और संस्था पर प्रत्येक भारतीय के अटूट विश्वास का उत्सव है। उन्होंने बदलती पीढ़ियों, सरकारों, प्रौद्योगिकियों और पाठ्यक्रम के बावजूद संस्था की अटूट विश्वसनीयता की सराहना की और इस अवसर पर एक स्मारक डाक टिकट, एक विशेष सिक्का और 100 अहम केस कानूनों का संकलन जारी किया। प्रधानमंत्री ने स्वतंत्रता के बाद सामने आई विशाल चुनौतियों को याद करते हुए सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने न केवल देश को स्वतंत्र बनाए रखने के लिए, बल्कि नवगठित राष्ट्र के सक्रिय शासन के लिए आवश्यक आधारभूत संरचना की स्थापना की।

भारत मंडपम में किया गया कार्यक्रम का आयोजन

प्रधानमंत्री का स्वागत करते संस्थान के अधिकारी

संस्थान ने राष्ट्र के सपनों को साकार करने की दिशा में केंद्रित किया

प्रधानमंत्री ने 1926 में ब्रिटिश राज के दौरान स्थापित इस संस्था की तुलना स्वतंत्रता के बाद के इसके विकास से करते हुए कहा कि इस प्रणाली ने सफलतापूर्वक अपना ध्यान एक स्वतंत्र राष्ट्र के सपनों को साकार करने की दिशा में केंद्रित किया है। उन्होंने सराहना करते हुए कहा कि यूपीएससी ने अपने ऐतिहासिक कर्तव्यों का उत्कृष्ट निर्वहन किया है।

विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में जुटें

प्रधानमंत्री ने विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में चयन आयोगों की महत्वपूर्ण भूमिका का विस्तार से वर्णन करते हुए इस बात पर बल दिया कि आज भर्ती किए गए युवा एक साथ राष्ट्र के भविष्य के मुख्य निर्माता और प्राथमिक लाभार्थी होंगे। चयन प्रक्रिया को राष्ट्र और नागरिक को प्राथमिकता देने के दोहरे मापदंड पर परखा जाना चाहिए।

प्रशिक्षु अधिकारी मूल प्रेरणाओं को लिख लें

नवनियुक्त प्रशासनिक अधिकारियों के साथ अपने व्यक्तिगत अनुभवों को साझा करते हुए प्रधानमंत्री ने सुझाव दिया कि प्रशिक्षु अधिकारियों को अपनी मूल प्रेरणाओं को लिख लेना चाहिए ताकि भविष्य में आने वाली चुनौतियों और जिम्मेदारियों के समय वे आत्म-मूल्यांकन के लिए इनका उपयोग कर सकें। उन्होंने यूपीएससी और राज्य आयोगों को उम्मीदवारों के लिए इसी तरह की आत्म-निरीक्षण प्रणाली को संस्थागत रूप देने के लिए प्रोत्साहित किया। मोदी ने कहा कि यूपीएससी और राज्य आयोग भी ऐसी प्रणाली विकसित करने पर विचार कर सकते हैं।

नए बदलाव की मांगें भी बढ़ेंगी

इस दौरान प्रधानमंत्री ने बताया कि राष्ट्र में ग्रामीण-शहरी विभाजन कम होने से युवाओं की अपेक्षाएं बढ़ेंगी। पीएम मोदी ने कहा कि इस दौरान नए बदलाव की मांगें भी बढ़ेंगी।

अंतर्निहित प्रेरणा का भी मूल्यांकन किया जाना चाहिए

प्रधानमंत्री ने भर्ती प्रक्रिया में मूलभूत बदलाव का आग्रह करते हुए इस बात पर बल दिया कि चयन के मापदंडों में केवल अकादमिक ज्ञान का ही नहीं, बल्कि उम्मीदवारों की अंतर्निहित प्रेरणा का भी मूल्यांकन किया जाना चाहिए, ताकि वे केवल सरकारी पद की लालसा के बजाय जनसेवा की ओर आकर्षित हों। उन्होंने स्पष्ट किया कि सही अंतर्निहित प्रेरणा वाले व्यक्तियों का चयन करने से प्रशासन के लिए तेजी से बदलती जन आकांक्षाओं के अनुरूप ढलना अत्यंत सरल हो जाता है।

'नागरिक देवो भव' के परम सिद्धांत पर चलें

प्रधानमंत्री ने अतीत की पुरातन 'माई-बाप' शासन प्रणाली को त्यागते हुए 'नागरिक देवो भव' के परम सिद्धांत पर आधारित एक आधुनिक प्रशासनिक युग की शुरुआत का उल्लेख किया, जिसमें नागरिक को ईश्वर के समान माना जाता है।

यूपी, पुडुचेरी, बंगाल, असम के नतीजे बता रहे लोकतंत्र ने फिर भीड़तंत्र को जवाब दिया

ईरानी बोलीं- भाजपा की ये जीत सुशासन और विकास का प्रमाण

⏭ नई दिल्ली

भाजपा ने शुक्रवार को कहा कि उत्तर प्रदेश, पुडुचेरी, पश्चिम बंगाल और असम में भाजपा की जीत भीड़तंत्र पर लोकतंत्र की विजय है। भाजपा की राष्ट्रीय महामंत्री स्मृति इरानी ने शनई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस के निवर्तमान अध्यक्ष द्वारा इंडियन स्टेट के खिलाफ लड़ाई की घोषणा को संवैधानिक संस्थाओं पर हमला बताया और कांग्रेस पर पितृसत्ता विरोधी नारों के आचरण में विरोधाभास होने का आरोप लगाया। भाजपा की राष्ट्रीय महामंत्री ने जेएनयू में कांग्रेस सांसद के खिलाफ छात्राओं की शिकायतों की जांच में आरोपों की पुष्टि होने के बावजूद कार्रवाई न किए जाने पर कांग्रेस नेतृत्व से जवाब मांगा।

नंदीग्राम में ऐतिहासिक प्रमाण

इरानी ने कहा कि आज भीड़तंत्र को लोकतंत्र ने जवाब दिया है। उत्तर प्रदेश में राज्यसभा चुनाव में भाजपा के कार्यकर्ताओं की जीत का समाचार हम सबको हर्षित कर रहा है। पुडुचेरी में एनडीए के प्रतिनिधि की जीत पर भाजपा के कार्यकर्ता उनका अभिनंदन करते हैं। बंगाल और असम से ऐतिहासिक परिणामों की सूचनाएं आ रही हैं। नंदीग्राम, जो वामपंथी विचारधारा, जनता के खिलाफ हिंसा और औद्योगिक विकास को रोकने का ऐतिहासिक प्रमाण बना था, वहां आज सुशासन का संकल्प लेकर भाजपा की जीत हुई है। रेजीनगर में लगभग 71 प्रतिशत मतदाता अल्पसंख्यक समुदाय से हैं, वहां भी भाजपा ने जीत विजय पताका फहराया।

कांग्रेस देश की संवैधानिक संस्थाओं के खिलाफ

ईरानी ने कहा कि इन सभी राज्यों के मतदाताओं के प्रति भाजपा के कार्यकर्ता आभार व्यक्त करते हैं। मैं पुनः कहती हूं कि आज एक बार फिर लोकतंत्र ने भीड़तंत्र को जवाब दिया है। यह बात इसलिए कह रही हूं, क्योंकि 15 जनवरी 2025 को कांग्रेस के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष ने खुले मंच से कहा था कि उनकी लड़ाई भाजपा के खिलाफ नहीं, बल्कि इंडियन स्टेट के खिलाफ है। इंडियन स्टेट का अर्थ है हमारी संवैधानिक व्यवस्थाएं, जो लोकतंत्र की स्थापना, संरक्षण और समृद्धि में योगदान देती हैं। यह चर्चा का विषय होना चाहिए कि कांग्रेस के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष को आप सबके माध्यम से इंडियन स्टेट पर हमला करने की बात कैसे कह पाए?

प्रश्नपत्र लीक मामले में कार्रवाई

ईडी ने ओडिशा व बंगाल में 10 ठिकानों पर छापेमारी की

एजेंसी ⏭ भुवनेश्वर

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ओडिशा में 2024 में उपनिरीक्षक (एसआई) भर्ती परीक्षा का प्रश्नपत्र कथित तौर पर लीक होने के मामले में शुक्रवार को राज्य और पश्चिम बंगाल में 10 ठिकानों पर छापेमारी की। भुवनेश्वर स्थित ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय के अधिकारियों ने ओडिशा में 8 और पश्चिम बंगाल में 2 ठिकानों पर तलाशी ली। मामला अक्टूबर 2025 में ओडिशा पुलिस द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी से जुड़ा है। पिछले साल 30 अक्टूबर को प्रश्नपत्र लीक होने के आरोपों में पुलिस ने आंध्र प्रदेश-ओडिशा सीमा के पास इच्छापुरम में 114 अभ्यर्थियों को ले जा रही 3 बसों को रोका था। यह परीक्षा 5-6 अक्टूबर, 2025 को होनी थी। अभ्यर्थियों को 15 लाख से 30 लाख तक की रकम के बदले प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने का वादा किया गया था।

नवीन की महासचिवों के साथ बैठक

विभिन्न संगठनात्मक मुद्दों पर चर्चा की, रणनीति भी बनाई

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भाजपा के अध्यक्ष नितिन नवीन ने शुक्रवार को पार्टी के राष्ट्रीय महासचिवों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की, जिसमें 'विभिन्न संगठनात्मक मामलों' पर चर्चा की। यह बैठक मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्षी दलों और कॉंजपा द्वारा 10 अक्टूबर को विरोध प्रदर्शन किए जाने के आह्वान के बीच हुई। भाजपा ने 'एक्स' पर बैठक पर कहा कि पार्टी मुख्यालय में राष्ट्रीय महासचिवों के साथ बैठक की और विभिन्न संगठनात्मक मामलों तथा पार्टी की आगामी कार्ययोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में क्या चर्चा हुई, इस बारे में पार्टी की ओर से कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई। बताया गया कि बैठक में विपक्ष के प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन और उसके विमर्श का मुकाबला करने के लिए पार्टी की रणनीति पर चर्चा हुई।

कच्छ में खावड़ा के पास रिन्यूएबल एनर्जी पार्क में हादसा

क्रेन से निकाले गए शव

ट्रक और पिकअप की आमने-सामने टक्कर में 7 मजदूरों की मौत, 20 जख्मी

एजेंसी ⏭ कच्छ

गुजरात के कच्छ जिले में खावड़ा के पास स्थित रिन्यूएबल एनर्जी पार्क में शुक्रवार तड़के भीषण सड़क हादसा हो गया। ट्रक और पिकअप वाहन की आमने-सामने टक्कर में कम से कम 7 मजदूरों की मौत हो गई, जबकि 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार हादसा सुबह करीब 3 से 4 बजे के बीच हुआ। खावड़ा पुलिस स्टेशन के सब-इंस्पेक्टर एमबी चावड़ा ने बताया कि ट्रक और बोलेरो कैंपर विपरीत दिशाओं से आ रहे थे। दोनों वाहनों की टक्कर इतनी जोरदार थी कि पिकअप वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

सभी मजदूर बोलेरो कैंपर में सवार थे

हादसे के समय सभी मजदूर बोलेरो कैंपर में सवार थे। टक्कर के बाद मजदूर वाहन के मलबे में फंस गए। उन्हें क्रेन की मदद से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक सभी की मौत हो चुकी थी। 20 से ज्यादा घायल मजदूरों को एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया। अधिकारियों ने कहा कि दुर्घटना के पीछे संभावित लापरवाही के पहलुओं की भी जांच की जा रही है। कच्छ कलेक्टर अनिल राणावसिया ने कहा कि गुरुवार रात खावड़ा गांव के पास एक भीषण दुर्घटना हुई। एक कंपनी के 30-32 मजदूरों को ले जा रही पिकअप वैन एक ट्रक से टकरा गई।

---

11 छात्राओं ने के यौन उत्पीड़न के आरोप पर की गई कार्रवाई

कांग्रेस के सांसद और जेएनयू प्रोफेसर यूनिवर्सिटी से बर्खास्त

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

कांग्रेस के लोकसभा सांसद और जवाहर लाल नेहरू के प्रोफेसर अंगोमचा बिमोल अकोइजम को यूनिवर्सिटी ने बर्खास्त कर दिया है। एक इंटरनल कमेटी ने उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न की शिकायतों की जांच के बाद उन्हें कड़ी सजा देने की सिफारिश की। 11 महिला छात्राओं ने यूनिवर्सिटी की इंटरनल कमेटी के समक्ष प्रोफेसर के खिलाफ दुर्व्यवहार की शिकायत दर्ज कराई थी। अंगोमचा बिमोल अकोइजम इनर मणिपुर से सांसद हैं, वे जेएनयू के सामाजिक व्यवस्था अध्ययन केंद्र में प्रोफेसर पद पर तैनात थे। जेएनयू की कुलपति शांतिश्री डी पंडित ने उनकी सेवा समाप्त करने का आदेश जारी किया है। प्रोफेसर अकोइजम को तत्काल प्रभाव से यूनिवर्सिटी की सेवाओं से बर्खास्त किया जाता है।

इंटरनल कमेटी ने की थी यौन उत्पीड़न की शिकायतों की जांच के बाद कड़ी सजा देने की सिफारिश

30 सितंबर को सौंपी गई रिपोर्ट

जेएनयू के सूत्रों ने बताया कि समिति की रिपोर्ट 30 सितंबर को हुई विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद की बैठक में रखी गई थी और प्रोफेसर को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त करने का निर्णय लिया गया था।

राजनीति में कब आए ? अकोइजम ने साल 2023 में मणिपुर हिंसा के बाद राजनीति में कदम रखा। साल 2024 के हुए लोकसभा चुनाव में अकोइजम कांग्रेस के टिकट पर 'इनर मणिपुर' सीट से मैदान में उतरे और जीत दर्ज की। उन्होंने यहां से भाजपा उम्मीदवार को 1 लाख से अधिक वोटों से हराया।

जेएनयू से आयोग ने मांगी थी रिपोर्ट

अकोइजम को हटाने की कार्रवाई से पहले दिल्ली महिला आयोग ने मामले पर जेएनयू प्रशासन से रिपोर्ट मांगी थी। आयोग ने 11 छात्राओं के आरोपों पर सितंबर में यह रिपोर्ट मांगी गई थी।छात्राओं ने आरोप लगाया था कि उन्होंने मई 2026 में जेएनयू की वाइस चांसलर संतिश्री धुलिपुड़ी पंडित से प्रोफेसर की शिकायत की थी। छात्राओं ने आरोप लगाया कि उस समय उनकी शिकायत पर उचित कार्रवाई नहीं की।

प्रेमानंद महाराज का नया संदेश

निंदा और तिरस्कार को भगवान की कृपा मानिए और शांत रहें

एजेंसी ⏭ वृंदावन

यहां के संत प्रेमानंद महाराज ने साधकों और शिष्यों को विरोध होने पर संयम बरतने और चुप रहकर परिस्थितियों का सामना करने की सीख दी है। उन्होंने संदेश दियाजब समाज में अपमान, निंदा और तिरस्कार का सामना करना पड़े तो उसे भी भगवान की कृपा के रूप में स्वीकार करे। वीडियो सामने आने के बाद यह चर्चा का विषय बना है।

साधक को अहंकार से दूर रहना चाहिए

संत प्रेमानंद शिष्य रसिक दुलारी प्रकरण के बाद पहली बार केलिकुंज आश्रम पहुंचे। साधकों एवं शिष्यों को यह अहम सीख दी। उन्होंने समझाया कि जीवन में विपरीत परिस्थितियां आने पर व्यक्ति को धैर्य नहीं खोना चाहिए। विरोध या आलोचना का जवाब देने के बजाय अपने आचरण, साधना और भक्ति पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। अपमान में मन को शांत रखना अहंकार से दूर रहना साधक के लिए महत्वपूर्ण है।

कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 500 छात्राओं के बीच मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यशाला

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। शासकीय राजमोहिनी देवी कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय और विजन समाज सेवी संस्था के संयुक्त तत्वावधान में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता को लेकर बड़ी कार्यशाला का आयोजन किया गया। जीवन अनमोल है अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में करीब 500 छात्राओं ने हिस्सा लिया। कार्यशाला का उद्देश्य मानसिक अवसाद और आत्मघाती कदमों को रोकना, मोबाइल के सही उपयोग और माता-पिता व गुरुजनों से जुड़ाव को मजबूत करना था।

संस्कार जीवित होगा तो बच्चा मानसिक रोगी नहीं होगा - शिल्पा पांडेय

अभियान की संयोजक शिल्पा पांडेय ने कहा - ₹यदि बच्चों के मन में माता-पिता के त्याग एवं उनका संस्कार जीवित होगा, वह बच्चा कभी मानसिक रोगी नहीं हो सकता।₹ उन्होंने बताया कि आज की युवा पीढ़ी एकाकी हो रही है। ₹मोबाइल को हम नहीं चला रहे, बल्कि मोबाइल हमें चला रहा है।₹ उन्होंने छात्राओं से कहा कि हर बात जो आप अपने माता-पिता से शेयर कर सकते हैं, वह सही है, और जो छुपानी पड़े, वहां मामला गड़बड़ है। सोशल मीडिया पर दोस्ती करें लेकिन प्राइवेट फोटो, नंबर और घर का पता साझा करने से बचें। उन्होंने कहा कि गलती चाहे 100% आपकी ही क्यों न हो, उसे सबसे पहले घर पर बताएं। भविष्य की बदनामी के डर से आत्मघाती कदम उठाना भूल है, क्योंकि इस जीवन पर केवल आपका नहीं, आपके माता-पिता और गुरुजनों का भी हक है।

विजन संस्था का काम

विजन की संयोजक शिल्पा पांडेय को 2025 में राज्य सरकार द्वारा माता बहादुर कलारिन सम्मान (राज्य अलंकरण) से सम्मानित किया गया था। यह सम्मान बच्चों और महिलाओं के क्षेत्र में 20 वर्षों के उल्लेखनीय कार्यों के लिए दिया जाता है। संस्था ने शासन के स्कूल शिक्षा और उच्च शिक्षा विभाग से अनुमति लेकर पिछले 6 महीनों में 18,000 बच्चों के बीच स्कूल-कॉलेजों में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम किए हैं। अब तक 1158 ऐसे बच्चों की काउंसलिंग कर उन्हें बचाया है जो अवसाद से ग्रस्त होकर आत्महत्या करना चाहते थे।

अतिथियों ने क्या कहा?

अध्यक्षता कर रहीं ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की सरगुजा संभाग संचालिका बीके राजयोगिनी विद्या दीदी ने कहा कि संस्कार बताते हैं जीवन कैसा होगा और चरित्र बताता है कि हम कितनी ऊंचाइयों तक जाएंगे। मानसिक रूप से मजबूत व्यक्ति हर बुरी स्थिति से बाहर निकल जाता है।

मेडिकल कॉलेज से रेड क्रॉस सोसाइटी और ब्लड डोनेशन की नोडल अधिकारी डॉ. शारदा भगत ने कहा कि स्वस्थ मन के लिए स्वस्थ शरीर जरूरी है। अधिकांश लड़कियां एनीमिक होती हैं, उन्हें अपना हीमोग्लोबिन और सीबीसी जांच कराते रहना चाहिए। डाइट प्लान करें, क्योंकि स्वस्थ शरीर सबसे बड़ी पूंजी है।

एचआईवी एड्स जागरूकता की काउंसलर अंजुला मिश्रा ने कहा कि परेशान होने पर करीबी से मन की बात शेयर करें, मनोवैज्ञानिक डॉक्टर से मिलने में देर न करें।स्वच्छता समिति अध्यक्ष शशि कला सिंह ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी मुस्कुराते रहने से उम्मीद की नई किरण निकलती है।

समाजसेवी सतीश केडिया ने कहा कि माता-पिता हर स्थिति में आपके साथ खड़े होंगे, इसलिए कोई बात न छुपाएं। प्राचार्य डॉ. एजेंन टोप्पो ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और मेंटल हेल्थ डे की शुभकामनाएं दीं।

संचालन शिक्षिका आशा गोयल ने किया। कार्यक्रम में विजन के वालंटियर संगीता सिंह ने हेल्पलाइन नंबर साझा किया, राजू यादव, हर्षल यादव और स्वच्छता समिति की ज्ञानकता कुजूर भी उपस्थित रहीं।

गन्ना किसानों के हित में बड़ा निर्णयः अब 425 रुपए प्रति क्विंटल की दर से होगी गन्ने की खरीदी

भारतीय किसान संघ के प्रतिनिधिमंडल से चर्चा के बाद मुख्यमंत्री ने लिया महत्वपूर्ण निर्णय

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेश के गन्ना किसानों के हित में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए शक्कर कारखानों में गन्ने की खरीदी अब 425 रुपए प्रति क्विंटल की दर से किए जाने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अन्नदाता की खुशहाली ही समृद्ध छत्तीसगढ़ का आधार है। किसानों को उनकी मेहनत का बेहतर प्रतिफल मिले, खेती लाभकारी बने और किसान परिवार आर्थिक रूप से निरंतर सशक्त हों, इसके लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री साय से आज भारतीय किसान संघ छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधिमंडल में संगठन मंत्री मनीष शर्मा, महामंत्री नवीन शेष सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल थे। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री अरुण साव और विजय शर्मा भी उपस्थित थे। भेंट के दौरान मुख्यमंत्री साय ने प्रतिनिधिमंडल के साथ प्रदेश के किसानों से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। चर्चा के दौरान गन्ना उत्पादक किसानों के हितों से संबंधित विषय भी प्रमुखता से सामने आया। मुख्यमंत्री ने किसानों की भावनाओं और उनके हितों को ध्यान में रखते हुए इस विषय पर त्वरित पहल की और शक्कर कारखानों के लिए गन्ने की खरीदी 425 रुपए प्रति क्विंटल की दर से करने का निर्णय लिया।पेराई सत्र 2025- 26 में की गई खरीदी का भुगतान भी बढ़े हुए दर पर किया जाएगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि लागत को कम करने तथा खेती को अधिक लाभकारी बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। छत्तीसगढ़ सरकार भी किसानों के हितों को अपनी नीतियों और निर्णयों के केंद्र में रखकर आगे बढ़ रही है। किसानों की आवश्यकताओं और समस्याओं के प्रति सरकार संवेदनशील है तथा किसान हित से जुड़े विषयों पर प्राथमिकता से निर्णय लिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था और ग्रामीण समृद्धि में किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। खेती-किसानी मजबूत होगी तो गांव मजबूत होंगे और गांवों की समृद्धि से ही छत्तीसगढ़ की समृद्धि का मार्ग प्रशस्त होगा। राज्य सरकार का प्रयास है कि किसानों को उनकी उपज का उचित और बेहतर मूल्य मिले तथा कृषि उनके लिए सम्मानजनक और लाभकारी आजीविका का सशक्त माध्यम बने। भारतीय किसान संघ के प्रतिनिधिमंडल ने गन्ना किसानों के हित में लिए गए इस निर्णय के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि इस निर्णय से प्रदेश के गन्ना उत्पादक किसानों को लाभ मिलेगा और उन्हें अपनी मेहनत का बेहतर प्रतिफल प्राप्त होगा।

संभाग स्तरीय नॉकआउट कम लीग फुटबॉल प्रतियोगिता : पीजी रॉयल और बढ़नी झरिया ने जीते मैच

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। नगर के गांधी स्टेडियम में खेली जा रही संभाग स्तरीय नॉकआउट कम लीग फुटबॉल प्रतियोगिता में आज दो मुकाबले खेले गए। जिसमें पहला मैच पीजी रॉयल अंबिकापुर बनाम फुटबॉल क्लब कंचनपुर और दूसरा मैच कोल्ट्स क्लब देवनगर बनाम डी ब्रदर बढ़नी झरिया के बीच हुआ। पहला मैच पीजी रॉयल अंबिकापुर बनाम फुटबॉल क्लब कंचनपुर के बीच खेला गया। प्रथम हाफ में दोनों टीमों ने अच्छे तालमेल से खेलते हुए गोल के कई प्रयास किए, लेकिन कोई भी टीम गोल करने में सफल नहीं हो पाई। निर्धारित समय तक मैच गोलरहित बराबर रहने पर निर्णय टाईब्रेकर से किया गया, जिसमें पीजी रॉयल ने 4-2 से जीत दर्ज कर अगले दौर में प्रवेश किया। दूसरा मैच कोल्ट्स क्लब देवनगर बनाम डी ब्रदर बढ़नी झरिया के बीच हुआ। पहले हाफ में दोनों टीमों ने अच्छा प्रदर्शन किया। बढ़नी झरिया की टीम ने दूर से सुंदर किक लगाते हुए गोल में तब्दील कर 1-0 की बढ़त बना ली। दूसरे हाफ में बढ़नी झरिया ने एक और गोल कर बढ़त 2-0 कर दी। अंतिम समय में देवनगर ने एक गोल कर अंतर कम किया, लेकिन बढ़नी झरिया ने मैच 2-1 से जीत लिया। मैच के निर्णायक शिव, सुशील, दिनेश तिर्की, अमरदेव, आयुष, नीलभूषण, अनप्रास, चंद्रशेखर, रामबहादुर लाम्बा रहे। कार्यकारिणी सदस्य दीपक कुजूर, कमलेश किस्पोट्टा, अखिलानंद, विनोद पैकरा, मंगल भी उपस्थित रहे। आज के मैच एफसी परसोढ़ी बनाम एफसी मुक्ति पारा और ट्राइबल टाइगर बी बनाम न्यू एकेडमी सोहगा के बीच खेला जाएगा।

विश्वस्तरीय खेल सुविधाओं से तैयार होंगे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी : मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, आवश्यकता है उन्हें पहचानने, तराशने और विश्वस्तरीय प्रशिक्षण देने की। राज्य सरकार इसी दिशा में योजनाबद्ध तरीके से काम कर रही है। हमारा लक्ष्य है कि प्रदेश के खिलाड़ी राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मंच पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रदेश और देश का गौरव बढ़ाएं। मुख्यमंत्री आज राजधानी रायपुर के जोरा में आयोजित सेंध लेक सिटी और इलेशियम क्लब्स की साझेदारी घोषणा एवं अनुबंध हस्ताक्षर समारोह को संबोधित कर रहे थे।

नवा रायपुर में गोपीचंद खोलेंगे बैडमिंटन अकादमी

मुख्यमंत्री ने नवा रायपुर में प्रस्तावित विश्वस्तरीय स्पोर्ट्स क्लब की पहल का स्वागत किया। उन्होंने पद्म भूषण पुलेला गोपीचंद का छत्तीसगढ़ में स्वागत करते हुए कहा कि भारतीय बैडमिंटन को विश्व पटल पर नई पहचान दिलाने में उनका योगदान महत्वपूर्ण है। नवा रायपुर में उनकी बैडमिंटन अकादमी की शुरूआत प्रदेश की प्रतिभाओं के लिए बड़ी उपलब्धि होगी। अमरावती और हैदराबाद के बाद गोपीचंद अब छत्तीसगढ़ में अकादमी शुरू करेंगे।

बस्तर ओलंपिक से बदली तस्वीर

मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर ओलंपिक दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों की प्रतिभाओं को मंच दे रहा है। पहले वर्ष 1.65 लाख खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था, जो दूसरे वर्ष बढ़कर 3.91 लाख हो गया। आज बस्तर के युवा बंदूक-हिंसा छोड़कर खेल, शिक्षा और रोजगार की ओर बढ़ रहे हैं।

खेलों के लिए 100 करोड़ का प्रावधान

मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने खेल अधोसंरचना के विस्तार के लिए बजट में 100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। खेलो इंडिया के तहत राष्ट्रीय जनजातीय खेलों का सफल आयोजन किया गया। कॉमनवेल्थ में रजत जीतने वाली ज्ञानेश्वरी यादव और एशियन गेम्स में स्वर्ण जीतने वाली संजू देवी जैसी बेटियां प्रदेश का मान बढ़ा रही हैं।

नक्सलवाद से मुक्ति और 2047 का लक्ष्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि पौने तीन साल में नक्सलवाद के खिलाफ मिली सफलता सबसे बड़ी उपलब्धि है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और गृह मंत्री अमित शाह की दृढ़ इच्छाशक्ति से बस्तर में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के नए द्वार खुल रहे हैं।

नवीन शासकीय महाविद्यालय में सेवा संकल्प अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक का आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रघुनाथनगर। नवीन शासकीय महाविद्यालय, रघुनाथनगर के विद्यार्थियों द्वारा सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया।इस गतिविधि का मुख्य उद्देश्य आम जनमानस तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के कार्यकाल में किए गए कार्यों, उपलब्धियों एवं अनुभवों की जानकारी पहुँचाना था। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने जन-जागरूकता का संदेश देते हुए विकसित भारत के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की भूमिका और सहभागिता पर प्रकाश डाला।

विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने प्रभावशाली प्रदर्शन से 'विकसित भारत' का संदेश जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास किया।कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। यह गतिविधि विद्यार्थियों में सामाजिक जागरूकता, राष्ट्र निर्माण की भावना और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता विकसित करने की दिशा में एक सराहनीय पहल रही।

एसईसीएल मुख्यालय में राजभाषा पखवाड़ा 2026 का गरिमामय समापन, उत्कृष्ट हिंदी पत्राचार के लिए विभाग और क्षेत्र सम्मानित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिलासपुर। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) मुख्यालय में राजभाषा पखवाड़ा 2026 का समापन समारोह गुरुवार को मुख्यालय ऑडिटोरियम में गरिमामय ढंग से आयोजित हुआ। गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग के निदेर्शानुसार यह पखवाड़ा 14 से 28 सितंबर तक मनाया गया था। समारोह में निदेशक (मानव संसाधन) बिरंची दास मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। निदेशक (वित्त) डी. सुनील कुमार एवं मुख्य सतर्कता अधिकारी हिमांशु जैन विशिष्ट अतिथि रहे। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष, क्षेत्रीय कार्यालयों के प्रतिनिधि, मुख्यालय के अधिकारी-कर्मचारी, ठेका कर्मी, स्कूली विद्यार्थी और माता शबरी कन्या महाविद्यालय की छात्राएं बड़ी संख्या में मौजूद रहीं। समारोह का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। स्वागत उद्बोधन उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन-प्रशासन/जनसंपर्क/राजभाषा) मनीष कुमार श्रीवास्तव ने दिया। पखवाड़े के दौरान हिंदी भाषी और हिंदीतर भाषी कर्मियों के लिए अलग-अलग वर्गों में पांच प्रतियोगिताएं हुईं - हिंदी निबंध लेखन, पत्र व टिप्पण लेखन, चित्र आधारित कहानी लेखन, व्याकरण ज्ञान और विभागाध्यक्षों के लिए हिंदी ज्ञान प्रतियोगिता। दोनों वर्गों के लिए संयुक्त रूप से आशुलिपि, कंप्यूटर टंकण, भाषण, काव्य पाठ और अंताक्षरी हुई। गृहणियों के लिए निबंध और ठेका कामगारों के लिए हिंदी ज्ञान प्रतियोगिता कराई गई।

इंस्पायर अवार्ड योजना से बच्चों में नवाचार और वैज्ञानिक सोच को मिल रहा प्रोत्साहन - शिक्षा मंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित इंस्पायर अवार्ड कार्यक्रम के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के चयनित लगभग 40 विद्यार्थियों को नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता का अवसर मिला यह बहुत हर्ष की बात है।केंद्र सरकार की पहल से संचालित इंस्पायर अवार्ड योजना बच्चों में वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण माध्यम बन रही है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक बच्चे में कोई न कोई मौलिक प्रतिभा होती है, आवश्यकता है उसे पहचानने और उचित अवसर प्रदान करने की। ड्रोन तकनीक, सौर ऊर्जा और दैनिक जीवन में उपयोगी विभिन्न आविष्कारों का उदाहरण देते हुए उन्होंने विद्यार्थियों को नए विचारों पर काम करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ से लगभग 80 हजार नवाचारी विचार सामने आए हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को नवाचार के साथ शिक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने तथा अपने आविष्कारों को समाज के लिए उपयोगी बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। साथ ही चयनित विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और बच्चों की प्रतिभा को आगे बढ़ाने में सहयोग देने वाले अभिभावकों एवं शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिक्षा विभाग के सचिव डॉ कमलप्रीत सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों को नवाचार, रचनात्मक सोच और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता है। नवाचार का अर्थ केवल नई चीजों का आविष्कार करना नहीं, बल्कि पुराने कार्यों को नए और बेहतर तरीकों से करना भी है। विद्यार्थियों को नए विचार विकसित करने, प्रयोग करने तथा अपनी गलतियों से सीखना चाहिए।उन्होंने कहा कि विद्यार्थी चाहे ग्रामीण क्षेत्र, आदिवासी अंचल अथवा किसी भी सामाजिक परिवेश से आते हों, उन्हें स्वयं को कभी कम नहीं समझना चाहिए। सफलता का आधार व्यक्ति की पृष्ठभूमि नहीं, बल्कि उसकी क्षमता, मेहनत और सोच होती है।भाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि अंग्रेजी, हिंदी, छत्तीसगढ़ी अथवा कोई भी भाषा केवल अभिव्यक्ति का माध्यम है। वास्तविक महत्व विषय की समझ, ज्ञान और कार्य करने की योग्यता का है। रायपुर के बीटीआई ग्राउण्ड परिसर में स्थित एससीआरटी भवन के सभा कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से चयनित चालीस विद्यार्थियों के साथ ही जुलाई माह में इंस्पायर मानक प्रतियोगिता में राज्य के पाँच प्रतिभागियों को जापान देश जाने और सीखने का अवसर मिला उनको भी सम्मानित किया गया । साथ ही जापान से वापस आए प्रतिभागी रमन दास मानिकपुरी, समीक्षा साहू, सुनयना और शैयाद अली ने अपने अनुभव को भी साझा किया ।

आज से प्रारम्भ शारदीय नवरात्र पर शक्ति की आराधना के लिए देवी मंदिर व पंडाल सजकर हुए तैयार

0 स्वागत यात्रा के साथ पंडालों में लाई गई मां दुर्गा की प्रतिमाएं 0 जय माता दी के जयघोष से गुंजायमान हुआ शहर

<u>प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन</u>

सूरजपुर। आज से प्रारंभ शारदीय नवरात्र पर आदिशक्ति माँ की विशेष पूजा अर्चना की जाएगी और शहर सहित समूचा जिला धार्मिक मंत्रोच्चार से गुंजायमान रहेगा, तो वहीं शहर में होने वाले विविध आयोजन धार्मिकता के साथ लोगो के लिए मनोरंजन का साधन भी होगा।

शक्ति की आराधना के लिए जिले के प्रसिद्ध देवी मंदिरों को साफ सफाई के साथ रंग रोगन कर रंगीन रोशनी से सजाया गया है। जहां पूजा अर्चना के साथ आस्था के दीप प्रज्वलित किये जायेंगे। वहीं शहर के विभिन्न मार्गों पर सार्वजनिक समितियों द्वारा भव्य व आकर्षक पंडालो का निर्माण कराया गया है जहां माँ दुर्गा की नयनाकर्षण प्रतिमाएं स्थापित कर विविध धार्मिक अनुष्ठानों के साथ माता रानी की विधिविधान से पूजा अर्चना प्रारम्भ होगी। शक्ति की आराधना के लिए शहर के सभी पंडालों में साज सज्जा के साथ व्यापक स्तर पर तैयारियां पूरी कर ली गई है। जिले के प्रसिद्ध कुदरगढ़ देवी धाम में कुदरगढ़ ट्रस्ट के द्वारा श्रद्धालुओ की सुविधा के दृष्टिगत व्यापक इंतजाम किए गए है। मां बागेश्वरी के दरबार मे प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी बड़े पैमाने पर आस्था के दीप प्रज्वलित किये जायेंगे। शहर से लगे देवीपुर स्थित माँ महामाया देवी धाम में माँ महामाया सेवा समिति व ज्वारा समिति के द्वारा व्यापक व्यवस्थाएं की गई है। यहां माँ महामाया की विशेष पूजा अर्चना साथ प्रतिवर्ष की भांति आस्था के दीप प्रज्वलन की तैयारी है जहां श्रधालुओ के द्वारा मनोकामना दीप प्रज्वलित किये जायेंगे। इसी तरह पम्पापुर स्थित माँ समलाई मन्दिर, तिलसिवां स्थित दुर्गा मंदिर, गायत्री मन्दिर, पँचमन्दिर स्थित माँ दुर्गा मंदिर, गोपालपुर दुर्गामंदिर, जमडी स्थित दुर्गामंदिर सहित जिले के सभी देवी मंदिरों में नवरात्र पर विशेष पूजा अर्चना की तैयारी की गई है जहां आज विधिविधान से आदिशक्ति की आराधना प्रारम्भ होगी।

शहर में सजे भव्य व आकर्षक पंडालों में विराजेंगी माता रानी

शारदीय नवरात्र पर माता रानी की आराधना के लिए शहर के भैयाथान रोड, मन्दिरपारा, कृष्णकुंजनगर, श्री राम मन्दिर, नया बाजार पारा, रंगमंच, मंडी रोड, बड़खापारा, बंगलीपारा, नवापारा, गोपालपुर सहित अन्य मोहल्लों में दुर्गोत्सव को लेकर सार्वजनिक समितियों के द्वारा भव्य एवं आकर्षक पंडालों का निर्माण कराया गया है। जहाँ आज नवरात्र के प्रथम दिवस पंडालो में विधिविधान से कलश स्थापना के साथ माता रानी की पूजा अर्चना प्रारम्भ होगी।

बाजे गाजे के साथ पंडालों में लाई गई माँ दुर्गा की प्रतिमा

शहर के पंडालो में शुक्रवार शाम से माँ दुर्गा की प्रतिमाओं को लाने का सिलसिला प्रारम्भ हो गया था। माता रानी की प्रतिमाएं, निर्माण स्थल से गाजे बाजे और ढोल नगाड़ों एवं आतिशबाजी के साथ रथ के रूप में सजी वाहनों की कतारों में माँ दुर्गा के नव स्वरूपों में सजी कन्याओं की भव्य शोभायात्रा समितियों के द्वारा निकालकर प्रतिमाओं को पंडालों तक लाया गया। जहाँ धार्मिक मंत्रोच्चार, पुष्पवर्षा की गई और परंपरागत नृत्य एवं आरती उतारकर माँ दुर्गा की प्रतिमा का स्वागत करते हुए पंडाल में प्रवेश कराया गया। इसी तरह स्वागत यात्रा के साथ कई पंडालों में प्रतिमाएं लाने का सिलसिला शनिवार की देर शाम तक चलता रहा। जिससे समूचे शहर का वातावरण नवरात्र के पूर्व से ही माता रानी की भक्ति में रंगा नजर आया और जय माता दी के जयघोष से समूचा शहर गुंजायमान रहा।

मतदाता सूची में युवा मतदाताओं का नाम जोड़ने 13 एवं 14 को शिविर

<u>प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन</u>

सूरजपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार 01 जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले युवाओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए अनुविभाग अंतर्गत 13 एवं 14 अक्टूबर को विशेष शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविरों प्रात: 10 से सायं 4 बजे तक लगेगा। मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए युवाओं को जन्म प्रमाण पत्र अथवा हाई स्कूल की अंकसूची, आधार कार्ड एवं फोटो के साथ परिवार के किसी सदस्य का ईपिक नंबर अथवा मतदाता परिचय पत्र की छायाप्रति प्रस्तुत करनी होगी। 13 अक्टूबर को शासकीय उच्चतर माध्यमिक कन्या विद्यालय सूरजपुर तथा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय डुमरिया, बसदई, केतका, कंदरई, सिलफिली, जयनगर, अजबनगर, लटोरी, कल्याणपुर, करवां, मजीरा, करंजी एवं हरीपुर एवं 14 अक्टूबर को शा उ मा वि डेडरी, जयनगर, कैलाशपुर एवं गिरवरगंज, कन्या शिक्षा परिसर सूरजपुर, शासकीय उच्चतर माध्यमिक कन्या विद्यालय विश्रामपुर, हाई स्कूल कुम्दा कॉलरी, हाई स्कूल दतिमा, उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामनगर, हाई स्कूल कन्या नावापारा तथा सेजेस नावापारा सूरजपुर, जयनगर, बसदई एवं विश्रामपुर में शिविर आयोजित किया जाएगा।

पात्र युवाओं से निर्धारित तिथि एवं समय पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ संबंधित शिविर में उपस्थित होकर मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने की अपील की गई है।

बैंक से निकाले गए 2 लाख रूपये लूटने वाले दो धराये, 2.37 लाख एवं घटना में प्रयुक्त बाइक जप्त

<u>प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन</u>

सूरजपुर। बैंक से निकाले गए 2 लाख रूपये की उठाईगिरी करने वाले दो आरोपियों को प्रतापपुर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बताया गया है कि

ग्राम मानपुर खड़गवां के रामसेवक गुप्ता ने थाना प्रतापपुर में रिपोर्ट दर्ज कराया कि 18 सितंबर को अपने स्कुटी क्रमांक सीजी 15 सीएक्स 9297 से प्रतापपुर आया था तथा सहकारी व स्टेट बैंक से 2 लाख रूपये निकाल कर प्लास्टिक झोला में रखा था जिसे अज्ञात आरोपीयों द्वारा उठाईगिरी कर फरार हो गये। रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपियों के विरूद्ध धारा 303(2),3(5) 112, 238 बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया।

प्रतापपुर पुलिस ने मामले की विवेचना के दौरान आसपास के सीसीटीव्ही फुटेज खंगाला और तकनीकी संसाधनों व अन्य संकलित साक्ष्यों की मदद ली गई। पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल ने आरोपियों की पतासाजी को और पुख्ता करते हुए उन्हें पकड़ने पुलिस टीम गठित कर जिला जशपुर के लिए रवाना किए। पुलिस की टीम ने बतौली क्षेत्र में दबिश देकर आरोपी संतोष कुमार मीणा उर्फ मोनू नट 25 वर्ष ग्राम झक्कडपुर, स्कूलपारा थाना पत्थलगांव, जिला जशपुर, रोहित यादव 34 वर्ष ग्राम जुरावगंज थाना कोढ़ा, जिला कटिहार बिहार को पकड़ा। पूछताछ पर आरोपियों ने उठाईगिरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया और बताया कि होण्डा साईन मोटर सायकल क्रमांक सीजी 14 एमडब्ल्यू 3648 के सीट के नीचे एक लाख रूपये को छुपा कर रखा है तथा सफेद गमछा में 37 हजार रूपये भी है। आरोपियों के निशानदेही पर 1.37 लाख नगद, घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल जप्त कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मामले फरार 2 अन्य आरोपियों की पतासाजी की जा रही है।

कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन व एसडीओपी प्रतापपुर अनूप एक्का के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी प्रतापपुर दिनेश पुरैना, एएसआई योगेन्द्र जायसवाल, प्रधान आरक्षक रविशंकर चौबे, आरक्षक अशोक कनौजिया, राजेश तिवारी व नौशाद सक्रिय रहे।

महान नदी तट और छठ घाट में चला स्वच्छता अभियान

बलरामपुर, छग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी एवं जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में 'जल-जन सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत शंकरगढ़ में महान नदी तट और छठ घाट परिसर में विशेष स्वच्छता एवं प्लास्टिक मुक्त अभियान चलाया गया। अधिकारियों, कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने श्रमदान कर नदी तट और घाट परिसर में बिखरे प्लास्टिक, पॉलीथिन एवं अन्य कचरे को एकत्र कर साफ-सफाई की।

समय पर कार्यालय में उपस्थिति के साथ दायित्वों का जिम्मेदारीपूर्वक करें निर्वहन : पाटले

जिपं सीईओ ने प्रेमनगर क्षेत्र में ग्रामीण विकास कार्यों का लिया जायजा

<u>प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन</u>

सूरजपुर। शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ाने तथा जल संरक्षण एवं बुनियादी सुविधाओं से जुड़े कार्यों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले ने जनपद प्रेमनगर क्षेत्र का निरीक्षण किया। इस दौरान परियोजना अधिकारी विकसित भारत जी-राम-जी भी उपस्थित रहे। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ ने विभिन्न ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता का जायजा लिया और कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिला पंचायत सीईओ ने ग्राम पंचायत ब्रम्हपुर में गली प्लग निर्माण कार्य का निरीक्षण किया। तत्पश्चात ग्राम पंचायत केदारपुर में स्वीकृत बालिका शौचालय निर्माण तथा विभिन्न मिट्टी बांधों की स्थिति का अवलोकन किया। उन्होंने बांधों से लाभान्वित किसानों से चर्चा कर सिंचाई सुविधा और कृषि उत्पादन के संबंध में भी जानकारी ली। ग्राम पंचायत बकिरमा में संचालित कंटूर ट्रेंच कार्य का निरीक्षण करते हुए जिला पंचायत सीईओ ने निर्माण में निर्धारित मानकों और गुणवत्ता का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जल संरक्षण से जुड़े कार्यों का क्रियान्वयन प्राथमिकता के साथ करें ताकि ग्रामीणों और किसानों को उनका समुचित लाभ मिल सके। जनपद कार्यालय प्रेमनगर का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यालय परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने तथा विभिन्न शाखाओं में नस्तियों का व्यवस्थित संधारण सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में अधिकारियों-कर्मचारियों की आधार आधारित उपस्थिति की जानकारी लेते करते हुए समय पर कार्यालय में उपस्थित रहने और दायित्वों का जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करने, जनपद सीईओ एवं कार्यक्रम अधिकारी को ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक से अधिक रोजगारोन्मुखी कार्यों की स्वीकृति के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि पंजीकृत श्रमिकों को नियमानुसार नियमित कार्य उपलब्ध कराएं जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं आजीविका के अवसर बढ़ें और शासन की योजनाओं का लाभ ग्रामीण परिवारों तक पहुंच सके।

विश्व मानसिक स्वा. दिवस पर हुआ जागरूकता कार्यक्रम एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता

<u>प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन</u>

सूरजपुर। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर जिला मानसिक स्वास्थ्य टीम द्वारा पार्वती इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रेनिंग, रिसर्च एंड मैनेजमेंट बी.एड. कॉलेज में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम एवं पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, फास्ट ट्रैक कोर्ट, आनंद प्रकाश वारियाल उपस्थित रहे। न्यायाधीश की सहभागिता ने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सामाजिक संवेदनशीलता, सम्मानजनक व्यवहार और जरूरतमंद व्यक्तियों को सहयोग उपलब्ध कराने में विभिन्न संस्थाओं की भूमिका के महत्व कोरेखांकित किया। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. राजेश पैकरा ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी चुनौतियों का सामना कर रहे प्रत्येक व्यक्ति का अनुभव महत्वपूर्ण है। किसी व्यक्ति की परेशानी को केवल उसके बाहरी व्यवहार से नहीं समझा जा सकता, बल्कि उसकी भावनाओं, परिस्थितियों और अनुभवों को सुनना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि लोगों को बिना किसी भेदभाव के अपनी बात रखने का अवसर देना, उनकी समस्याओं को संवेदनशीलता से समझना और समय पर उचित सहायता उपलब्ध कराना सकारात्मक बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।मनोचिकित्सक डॉ. अंकित शर्मा ने कहा कि तनाव, चिंता, अवसाद एवं अन्य मानसिक समस्याएं किसी भी व्यक्ति को प्रभावित कर सकती हैं। ऐसी स्थिति में अपनी परेशानी को साझा करना, विश्वसनीय व्यक्ति से बातचीत करना तथा आवश्यकता पड़ने पर मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से परामर्श लेना जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और मानसिक परेशानी का सामना कर रहे लोगों की बात धैर्यपूर्वक सुनने तथा उन्हें उचित सहायता प्राप्त करने के लिए प्रेरित करने का संदेश दिया।महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. छवि रानी मंडल ने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका केवल शिक्षा प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के मानसिक एवं भावनात्मक विकास को बढ़ावा देना भी आवश्यक है। विद्यार्थियों को अपनी समस्याएं खुलकर साझा करने, दूसरों की भावनाओं को समझने और जरूरतमंद साथियों के प्रति सहयोगपूर्ण व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें प्रतिभागियों ने मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता, भावनात्मक सहयोग, तनाव प्रबंधन, मानसिक समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता एवं आत्महत्या रोकथाम जैसे विषयों को रचनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में साइकोलॉजिस्ट सचिन मातुरकर, सुश्री प्रियंका मंडल तथा सहित शिक्षकगण एवं विद्यार्थी शामिल हुए।

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी
कोरबा, वनमण्डल- कोरबा, जिला-कोरबा (छ.ग.)
Kosabadi Rajgamar Road, Korba, Email:- dfo_korba@yahoo.co.in 7587012300

क्रमांक / राजस्व / 6678 कोरबा, दिनांक 06.10.2026

नीलाम सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कोरबा वनमंडल के अंतर्गत जलाऊ डिपो कोसाबाड़ी कोरबा में रखी गई निम्न विवरण अनुसार वनोपज जलाऊ लकड़ी का ई-ऑक्शन द्वारा निवर्तन किया जाना है। इच्छुक व्यापारी ई-ऑक्शन में अवश्य भाग लेवें। ई-ऑक्शन की शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय अथवा वन परिक्षेत्र कार्यालय, कुदमुरा उत्पादन से प्राप्त कर सकते है।

डिपो का नाम - जलाऊ डिपो कोसाबाड़ी
नीलाम दिनांक - 15.10.2026
नीलाम प्रारंभ - प्रातः 09:00 बजे से

वनोपज की अनुमानित मात्रा

डिपो का नाम	प्रजाति	पुराना वनोपज	नया वनोपज	योग
जलाऊ डिपो कोसाबाड़ी	सतकठा जलाऊ	4072 चट्टा	131 चट्टा	4203 चट्टा
	सागौन जलाऊ	61 चट्टा	01 चट्टा	62 चट्टा
	योग -	4133 चट्टा	132 चट्टा	4265 चट्टा
उपभोक्ता डिपो कोसाबाड़ी	सतकठा जलाऊ	50 चट्टा	-	50 चट्टा
नगरीय डिपो कोसाबाड़ी	सतकठा जलाऊ	36 चट्टा	-	36 चट्टा
निस्तार डिपो नोनबिर्रा	सतकठा जलाऊ	105 चट्टा	-	105 चट्टा
	कुल योग-	4324 चट्टा	132 चट्टा	4456 चट्टा

टीप :-
01. क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व एम.एस.टी.सी. ई-कॉमर्स में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।
02. क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वालेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई.एम.डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है।
03. लॉट की थप्पी एवं फोटो एम.एस.टी.सी. ई-ऑक्शन पोर्टल में अपने आई.डी. से लॉगईन करके देख सकते है।
04. ई-ऑक्शन में लॉट क्रय के पश्चात् प्रथम क्रेता को 30 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओं द्वारा 30 सेकण्ड के पूर्व क्रय करने पर 20 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा।

वनमण्डलाधिकारी
कोरबा वनमण्डल, कोरबा

जी-262703879/1

श्री नवयुवक दुर्गा मंडल की वार्षिक बैठक में 19वीं बार अध्यक्ष चुने गए राजेश

<u>प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन</u>

सूरजपुर। नगर की धार्मिक एवं सेवाभावी संस्था श्री नवयुवक दुर्गा मंडल की वार्षिक बैठक दुर्गा पंडाल परिसर भैयाथान रोड़ में संपन्न हुई। बैठक में पुरानी कार्यकारिणी को भंग कर वर्ष नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। इस दौरान सदस्यों ने सर्वसम्मति से राजेश अग्रवाल 'राजू' को पुन: मंडल का अध्यक्ष मनोनीत किया वे लगातार 18 वर्षों से अध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। यह उनके अध्यक्षीय कार्यकाल का 19वां वर्ष होगा। बैठक में श्री नवयुवक दुर्गा मंडल के धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों को और अधिक व्यवस्थित तथा व्यापक बनाने के उद्देश्य से 48 सदस्यों ने सदस्यता ग्रहण की। सभी सदस्यों की सहमति से नवीनकार्यकारिणी के पदाधिकारियों का मनोनयन किया गया। नवीन कार्यकारिणी में मार्गदर्शक धर्मवीर अग्रवाल, मंडल प्रमुख मदनलाल गोयल, अध्यक्ष राजेश अग्रवाल 'राजू', कोषाध्यक्ष घनश्याम बंसल, सचिव हूलेश्वर प्रसाद गुप्ता, व्यवस्थापक नरेश बंसल एवं प्रवक्ता गैबीनाथ साहू को दायित्व सौंपा गया। इसी क्रम में पूजा प्रभारी के रूप में अश्वनी पांडेय, ललित अग्रवाल एवं वीरेंद्र गर्ग, झांकी प्रभारी के रूप में विनोद मित्तल एवं नंदकिशोर ठाकुर, साउंड प्रभारी प्रेमशंकर सोनी तथा सह प्रभारी के रूप में राजेश साहू, धर्मपाल राजवाड़े, मनोज गुप्ता, अनंत राम साहू एवं प्रेम ठाकुर को जिम्मेदारी दी गई। वहीं, राजेश साहू को कार्यालय प्रभारी मनोनीत किया गया।

नवरात्रि पर भव्य जागरण एवं 40 वां वार्षिक उत्सव मनाएगा मंडल

मंडल प्रमुख मदनलाल अग्रवाल ने जानकारी दी कि सदस्यता अभियान नवरात्रि की प्रथम तिथि तक जारी रहेगा। मां के भक्त संस्था से जुड़कर धार्मिक व सामाजिक कार्यों में सहयोग करने के इच्छुक श्रद्धालु निर्धारित अवधि तक सदस्यता ग्रहण कर सकते हैं। नवरात्रि की प्रथमा तिथि को पंच मंदिर भैयाथान रोड़ में स्थित मां दुर्गा के दरबार में मंडल द्वारा प्रथम जागरण का आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष श्री नवयुवक दुर्गा मंडल अपना 40वां वार्षिक उत्सव नवरात्रि की सप्तमी तिथि को धूमधाम से मनाने की तैयारी कर रहा है। आयोजन में मंडल के भजन गायकों के साथ आमंत्रित बाहरी कलाकार भी अपनी प्रस्तुतियां देंगे। कार्यक्रम को भव्य एवं यादगार बनाने के लिए मंडल के पदाधिकारी और सदस्य तैयारियों में जुटे हैं। वहीं, श्री दुर्गा पूजा समिति भैयाथान रोड के सदस्य भी भव्य पंडाल निर्माण एवं सजावट की तैयारियां कर रहे हैं। श्री नवयुवक दुर्गा मंडल एवं दुर्गा पंडाल के प्रति नगर सहित सरगुजा संभाग के श्रद्धालुओं में गहरी आस्था है। मां की कृपा से प्रतिवर्ष आयोजित जागरण में बड़ी संख्या में भक्त शामिल होकर भक्ति एवं आराधना में लीन होते हैं। मंडल की ओर से समस्त श्रद्धालुओं से नवरात्रि के अवसर पर आयोजित जागरण एवं वार्षिक उत्सव में शामिल होकर मां का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की गई है।

फांसी की सजा के बाद कुलदीप साहू रायपुर सेंट्रल जेल शिफ्ट

हाई सिक्योरिटी और सशस्त्र बल के बीच रवानगी, दो अन्य आरोपी पहले ही भेजे गए

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। सरगुजा संभाग के सूरजपुर जिले के चर्चित दोहरा मर्डर के मामले में फांसी की सजा पाए मुख्य आरोपी कुलदीप साहू को शनिवार की सुबह सेंट्रल जेल अंबिकापुर से सेंट्रल जेल रायपुर शिफ्ट कर दिया गया है। जेल प्रबंधन ने जेल मैनुअल के नियमों का हवाला देते हुए यह कार्रवाई की है।

जेल अधीक्षक अक्षय सिंह राजपूत ने बताया कि फांसी की सजा पाए कुलदीप साहू को नियम के तहत आगामी प्रक्रिया और सजा के क्रियान्वयन के लिए रायपुर सेंट्रल जेल भेजा गया है। दोहरे हत्याकांड के मामले में कुल तीन आरोपियों को फांसी की सजा सुनाई गई है। इनमें से एक आरोपी सूरजपुर जेल में निरुद्ध था और दूसरा बैकुंठपुर जेल में था। दोनों आरोपियों को शुक्रवार को ही रायपुर सेंट्रल जेल शिफ्ट कर दिया गया था। कुलदीप साहू अंबिकापुर सेंट्रल जेल में था, जिसे आज सुबह शिफ्ट किया गया।

पूरी तरह गोपनीय रखी गई कार्रवाई

जेल अधीक्षक ने बताया कि यह कार्रवाई पूरी तरह से गोपनीय रखी गई थी। पुलिस अधीक्षक से समन्वय कर हाई सिक्योरिटी व्यवस्था की गई थी। एक फॉलोअप वाहन के साथ 7 से 8 सशस्त्र जवानों की टीम के साथ कुलदीप साहू को रायपुर के लिए रवाना किया गया। सुरक्षा में किसी तरह की चूक न हो, इसके लिए विशेष एहतियात बरता गया।

अलग बैरक में रखकर विशेष निगरानी

जेल अधीक्षक के अनुसार फांसी की सजा सुनाए जाने के बाद से ही कुलदीप साहू को अन्य कैदियों से अलग बैरक में रखा गया था। उसकी 24 घंटे विशेष मॉनिटरिंग और निगरानी की जा रही थी, ताकि वह अवसाद में आकर स्वयं को कोई नुकसान न पहुंचा सके। काउंसलिंग भी दी जा रही थी। रायपुर सेंट्रल जेल में भी इसी तरह की विशेष निगरानी में उसे रखा जाएगा।

व्यवहार सामान्य, अपील प्रक्रिया से वाकिफ

कैदी के व्यवहार के बारे में जेल अधीक्षक ने कहा कि उसका व्यवहार मीडियम था। ज्यादा सकारात्मक या नकारात्मक नहीं था। वह कानून की प्रक्रिया को जानता है और अपील को लेकर आश्वस्त नजर आ रहा था। उसने जेल प्रशासन से अपील से संबंधित प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी भी ली थी। अधीक्षक ने कहा कि अब मामला उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय में अपील से जुड़ा है, इसलिए इस पर टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। जेल प्रशासन ने अपनी तरफ से जेल मैन्युअल के तहत सभी औपचारिकताएं पूरी कर उसे सेंट्रल जेल रायपुर भेज दिया है।

कोर्ट ने साक्ष्यों के आधार पर सुनाई यह सजा

न्यायालय ने समग्र तथ्यों, वैज्ञानिक और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर कुलदीप साहू को धारा 103(1), 3(5) बीएनएस में मृत्युदंड और 25 हजार जुर्माना, धारा 70(1) में मृत्यु पर्यन्त कारावास व 20 हजार जुर्माना, धारा 331(8) में आजीवन कारावास, 20 हजार जुर्माना, धारा 238(ए) में 3 साल कठोर कारावास, 5 हजार जुर्माना, धारा 61(2) में आजीवन कारावास 20 हजार जुर्माना और छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम धारा 14 में 3 साल की सजा सुनाई है। फूल सिंह और चंद्रकांत को भी इसी तरह धारा 103(1), 3(5) में फांसी, 70(1) में मृत्यु पर्यन्त कारावास सहित अन्य धाराओं में आजीवन कारावास की सजा दी गई। आर्यन उर्फ गोल्डी को धारा 103(1), 3(5) में आजीवन कारावास 20 हजार जुर्माना, 331(8) व 49 में आजीवन कारावास, 238(ए) में 3 साल और 61(2) में आजीवन कारावास की सजा मिली।

तड़के 4:30 बजे पुलिस का बड़ा एक्शन, कंटेनर में ठूंस-ठूंसकर भरे 65 गौवंश बरामद, 2 की मौत; चालक गिरफ्तार, रेकी कार भी जब्त

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। ऑपरेशन शंखनाद के तहत जशपुर पुलिस ने गौ-तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। तड़के करीब 4:30 बजे थाना बगीचा क्षेत्र के ग्राम खंटाडांड में पुलिस ने कंटेनर ट्रक क्रमांक एनएल 01-एबी-7655 से 65 गौवंश बरामद किए। अमानवीय तरीके से ठूंस-ठूंसकर भरे होने से 2 गौवंशों की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने आरोपी चालक रेहान अंसारी (34 वर्ष, निवासी सिसई, जिला गुमला, झारखंड) को गिरफ्तार कर कंटेनर जब्त किया है। साथ ही तस्करी के लिए रास्ते की रेकी कर रही मारुति सुजुकी एस-प्रेसो कार क्रमांक जेएच-01-बीआर-9492 भी जब्त की गई है, उसका चालक फरार है।

मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी, पीछा कर पकड़ा

पुलिस को मुखबिर से पुख्ता सूचना मिली थी कि अंबिकापुर की ओर से भारी मात्रा में गौवंश भरकर बगीचा के रास्ते झारखंड ले जाया जा रहा है। सूचना पर डीआईजी एवं एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देश पर एसडीओपी जशपुर निमितेश सिंह के नेतृत्व में थाना बगीचा पुलिस ने ग्राम पेटा में नाकाबंदी की। संदिग्ध कंटेनर के पहुंचने पर पुलिस को देख चालक ने ट्रक भगाने की कोशिश की। पुलिस टीम ने पीछा कर उसे खंटाडांड में रोका। तलाशी में 65 गौवंश मिले। चालक कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा पाया। पशु चिकित्सक से स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया और मृत गौवंशों का अंतिम संस्कार किया गया। आरोपी ने बताया कि वह गौवंशों को अंबिकापुर से झारखंड ले जा रहा था। पुलिस को नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों के भी नाम मिले हैं, जिनकी तलाश जारी है।

अपराध दर्ज

थाना बगीचा में अपराध क्रमांक 264/26 के तहत छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम की धारा 4, 6, 10, पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11(1)(क)(घ) और बीएनएस की धारा 325 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

जनवरी से अब तक 1108 गौवंश मुक्त

डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के नेतृत्व में जशपुर पुलिस की गौ-तस्करी पर लगातार कार्रवाई जारी है। जनवरी 2026 से अब तक 98 प्रकरणों में 1108 गौवंशों को मुक्त कराया गया है, 131 आरोपी गिरफ्तार और 36 वाहन जब्त किए गए हैं। कार्रवाई में एसडीओपी निमितेश सिंह, निरीक्षक कृष्ण कुमार साहू, उप निरीक्षक विवेक भगत, एएसआई नरेश मिंज, आरक्षक आशीष तिर्की, रमेश गृही और सुधीर मिश्रा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मुख्यमंत्री के नेतृत्व में जशपुर जिले में बिछ रहा है सड़कों का जाल

- ग्रामीणों की मांग पर मुख्यमंत्री ने दी थी माझाटोली मार्ग सड़क निर्माण की स्वीकृति, 1 करोड़ 19 लाख की लागत से बनी सड़क

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। जिले में ग्रामीण क्षेत्रों की सड़क कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के उद्देश्य से सड़क निर्माण कार्यों को गति दी जा रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा ग्रामीणों की मांग पर स्वीकृत फरसाबहार विकासखंड के टीआर03–माझाटोली मार्ग का निर्माण कार्य पूर्ण हो गया है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 1 करोड़ 19 लाख की लागत से निर्मित इस सड़क से क्षेत्र के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी।

सड़क निर्माण पूर्ण होने से ग्रामीणों और राहगीरों को आने-जाने में सहूलियत होने लगी है। साथ ही, क्षेत्र के लोगों को दैनिक आवागमन, जरूरी कार्यों तथा अन्य सुविधाओं तक पहुंचने में मदद मिल रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर सड़क संपर्क होने से स्थानीय लोगों की आवाजाही अधिक सुगम हो रही है।

उल्लेखनीय है कि ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की मांग मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के समक्ष रखी थी। मांग पर स्वीकृति मिलने के बाद निर्माण कार्य पूरा हुआ है। सड़क बनने से प्रसन्न क्षेत्रवासियों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है।

जिले में ग्रामीण सड़कों के निर्माण एवं उन्नयन के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्रों को बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किए जा रहे हैं। माझाटोली मार्ग का निर्माण पूर्ण होना इसी क्रम में ग्रामीणों के लिए सुविधाजनक आवागमन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

बाजार डांड में रात 11:51 बजे पुलिस की दबिश, 3 जुआरी गिरफ्तार, 13 हजार जब्त

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। थाना सिटी कोतवाली जशपुर पुलिस ने बीती रात 9 अक्टूबर को करीब 11:51 बजे बाजार डांड में जुआ फड़ पर दबिश देकर 3 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को मुखबिर से पुख्ता सूचना मिली थी कि बाजार डांड में कुछ लोग चटाई बिछाकर ताश पत्ती से रुपये-पैसे का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराते हुए पुलिस टीम ने घेराबंदी कर 3 लोगों को हिरासत में लिया।

पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम आसिफ अंसारी, 30 वर्ष, निवासी करबला रोड, रियाज कुरैशी, 45 वर्ष, निवासी आजाद मोहल्ला, करबला रोड, अजमत खान, 35 वर्ष, निवासी रक्षित कॉलोनी, जशपुर बताया। पुलिस ने जुआरियों के कब्जे से फड़ से 13,170 रुपये नगद, 52 पत्ती ताश की गड्डी और चटाई जब्त की है। तीनों के विरुद्ध थाना सिटी कोतवाली में छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा 4, 5 के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया है।

डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह ने बताया कि जुआ के खिलाफ जशपुर पुलिस की कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी। कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक मोरध्वज देशमुख, पीएसआई जितेंद्र साहू, पीएसआई लक्ष्मी मरकाम, आरक्षक उपेंद्र सिंह, राजकेश्वर सिंह और नगर सैनिक थानेश्वर देशमुख की भूमिका रही।

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया में आवेदन देते ही बिंदे राम को तत्काल मिली बैटरी चालित ट्राईसाइकिल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया एक बार फिर जरूरतमंदों के लिए राहत और उम्मीद का केंद्र बना। यहां आवेदन देते ही ग्राम गिनाबहार निवासी दिव्यांग बिंदे राम को तत्काल बैटरी चालित ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराई गई। सहायता मिलने पर बिंदे राम ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और कैंप कार्यालय के प्रति आभार जताया।

दोनों पैरों से दिव्यांग, परिवार पर थे निर्भर

ग्राम गिनाबहार निवासी बिंदे राम पिता विशेश्वर राम दोनों पैरों से दिव्यांग हैं। शारीरिक असमर्थता के कारण उन्हें रोजमर्रा के सामान्य कार्यों, बाजार आने-जाने और आवागमन के लिए पूरी तरह परिवार के सदस्यों पर निर्भर रहना पड़ता था। अपनी इस समस्या के समाधान के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नाम मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया में आवेदन प्रस्तुत किया और बैटरी चालित ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराने का अनुरोध किया।

आवेदन के तुरंत बाद हुई सहायता

कैंप कार्यालय ने उनकी आवश्यकता को गंभीरता से लेते हुए मानवीय संवेदनशीलता दिखाते हुए आवेदन के तत्काल बाद ही उन्हें बैटरी चालित ट्राईसाइकिल प्रदान कर दी।ट्राईसाइकिल मिलने से अब बिंदे राम को आने-जाने में सहूलियत होगी। वे अपने दैनिक कार्यों को अधिक आसानी और आत्मनिर्भरता के साथ कर सकेंगे। यह सहायता उनके जीवन में सामान्य गतिविधियों में भागीदारी को आसान बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

आशा और सहायता का केंद्र बना बगिया कैंप

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय बगिया क्षेत्र के जरूरतमंद लोगों के लिए लगातार राहत का केंद्र बनकर उभरा है। यहां प्रतिदिन लोग अपनी समस्याओं, मांगों और आवश्यकताओं को लेकर पहुंचते हैं। प्राप्त आवेदनों के आधार पर जरूरतमंदों को यथासंभव त्वरित सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाता है, ताकि उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके। बिंदे राम को तत्काल ट्राईसाइकिल उपलब्ध कराया जाना इसी संवेदनशील कार्यप्रणाली का उदाहरण है।

बैंक ऋण मेले में 64 हितग्राहियों को 66.76 लाख का मुद्रा ऋण, 98 समूहों को 2.75 करोड़ की लिंकेज स्वीकृत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप स्व-सहायता समूह की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के तहत 8 अक्टूबर को जनपद पंचायत जशपुर स्थित वशिष्ठ कम्युनिटी हॉल में बैंक ऋण मेले का आयोजन किया गया। कलेक्टर रोहित व्यास और जिला पंचायत सीईओ अभिषेक कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित मेले में विभिन्न बैंकों ने स्वरोजगार के लिए वित्तीय सहायता दी। मेले में कुल 64 हितग्राहियों को 66.76 लाख रुपये के मुद्रा ऋण और 98 स्व-सहायता समूहों को 2 करोड़ 75 लाख रुपये की बैंक लिंकेज की स्वीकृति प्रदान की गई।

कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष अरविंद भगत, उपाध्यक्ष यश प्रताप सिंह जूदेव, जनपद अध्यक्ष गंगाराम भगत, पार्षद राजीव गुप्ता, बीडीसी सावित्री सिंह, जनपद सीईओ लोखित भगत सहित एनआरएलएम (बिहान) टीम के अमीन खान, विंसेंट तिर्की और विभिन्न बैंकों के शाखा प्रबंधक मौजूद रहे।

महिलाएं बन रहीं लखपति दीदी

बैंक ऋण से स्व-सहायता समूह की महिलाएं मुर्गी पालन, बकरी पालन, सिलाई दुकान, ब्यूटी पार्लर, बेकरी, किराना दुकान और रेस्टोरेंट जैसे आजीविका मूलक कार्यों से जुड़कर अपनी आय बढ़ा रही हैं। इन गतिविधियों से महिलाएं सालाना एक लाख रुपये से अधिक की आय अर्जित कर लखपति दीदी बनने का लक्ष्य हासिल कर रही हैं। बिहान के माध्यम से महिलाओं को बैंक ऋण और स्वरोजगार के अवसर देकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है।

नवरात्रि और दशहरा पर बदले रहेंगे बसों के मार्ग, 11 अक्टूबर से लागू होगी नई यातायात व्यवस्था

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। मां दुर्गा प्रतिमा विसर्जन और रावण दहन कार्यक्रम को देखते हुए जिला प्रशासन ने जशपुर शहर में बसों के मार्ग में परिवर्तन किया है। नई व्यवस्था 11 अक्टूबर से कार्यक्रम समाप्ति तक प्रभावी रहेगी। पुलिस उपमहानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर 9 अक्टूबर को जिला परिवहन कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला परिवहन अधिकारी, डीएसपी (यातायात/सुरक्षा) के.आर. चौहान, यातायात प्रभारी खोमाराज ठाकुर, बस मालिक एसोसिएशन अध्यक्ष केदारनाथ मिश्रा सहित बस संचालक और एजेंट एसोसिएशन के सदस्य मौजूद रहे।

नया रूट चार्ट

गम्हरिया तिराहा एवं कुनकुरी की ओर जाने वाली बसें: बस स्टैंड से गिरींग तिराहा होते हुए गम्हरिया तिराहा/कुनकुरी की ओर जाएंगी।

गम्हरिया तिराहा एवं कुनकुरी से आने वाली बसें: गम्हरिया तिराहा से गिरींग तिराहा होते हुए बस स्टैंड पहुंचेंगी।

सन्ना रोड की बसें: सन्ना रोड से आने-जाने वाली बसें और छोटे-बड़े वाहन बिरसा मुंडा चौक एवं जैन मंदिर होते हुए गिरींग तिराहा की ओर संचालित होंगे।

जिला प्रशासन ने सभी बस संचालकों से निर्धारित मार्गों और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन करने की अपील की है, ताकि पर्व के दौरान श्रद्धालुओं और यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जोश टीम का शुभारंभ, 225 टीबी मुक्त पंचायतों के सरपंच और 5 निक्षय मित्र सम्मानित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जिला पंचायत परिसर स्थित बैठक हॉल में 8 अक्टूबर को टीबी मुक्त भारत टीम (जोश टीम) के उन्मुखीकरण, जनजागरूकता कार्यक्रम और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष अरविंद भगत, जिला पंचायत उपाध्यक्ष शौर्य प्रताप सिंह जूदेव, नगरपालिका उपाध्यक्ष यश प्रताप सिंह जूदेव, जनपद अध्यक्ष गंगाराम भगत सहित जिले के विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच उपस्थित रहे। कलेक्टर रोहित व्यास के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में सीएमएचओ डॉ. जी.एस. जात्रा, जिला क्षय उन्मूलन अधिकारी डॉ. रोशन बरियार सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

जोश टीम से अभियान को मिलेगी नई गति

टीबी के प्रति जागरूकता बढ़ाने और युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जोश टीम का शुभारंभ किया गया। इसके तहतएनसीसी, एनएसएस और माई भारत वोलेंटियर के युवाओं को जोड़ा जाएगा। टीम के सदस्य टीबी के लक्षणों, समय पर जांच, नियमित उपचार और पोषण संबंधी देखभाल के प्रति लोगों को जागरूक करेंगे।

225 पंचायतें टीबी मुक्त घोषित

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण वर्ष 2025 में टीबी मुक्त घोषित 225 ग्राम पंचायतों के सरपंचों का सम्मान रहा। जिले की कुल 444 पंचायतों में से 225 को टीबी मुक्त घोषित किया गया है। सरपंचों को महात्मा गांधी की प्रतिमा (मोमेंटो) और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।साथ ही टीबी रोगियों को उपचार के दौरान पोषण और अन्य सहयोग देने वाले 5 निक्षय मित्रों को भी सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में वर्ष 2026 में जिले की सभी ग्राम पंचायतों को टीबी उन्मूलन के प्रयासों से जोड़ने का संकल्प लिया गया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दर्रीपारा अंबिकापुर छ. ग. पिन नं. 497001 से मुद्रित व वार्ड क्र. 10 कुनकुरी जशपुर से प्रकाशित । संपादक - लक्ष्मण सिंह